A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 26 अप्रैल, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 195, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

पाकिस्तान शिमला समझौते से बाहर होकर भारत का कितना नुकसान करेगा ?

रजनीश कुमार

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में चरमपंथी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ़ कई अहम फ़ैसले लिए थे। इन फ़ैसलों में राजनयिक मिशन छोटा करने और बॉर्डर बंद करने के अलावा सबसे बड़ा फ़ैसला सिंधु जल संधि को स्थगित करना था। अब जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ़ कई फ़ैसले लिए हैं। भारत अब पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान ने 1972 के शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा की है।

सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद से ही पाकिस्तान में मांग हो रही थी कि शिमला समझौते से बाहर हो जाना चाहिए।

पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार हामिद मीर ने एक्स पर पोस्ट में लिखा था, 'पाकिस्तान में एक नई बहस चल रही है। अगर भारत विश्व बैंक के मातहत हुई सिंधु जल संधि को अलविदा कहने के लिए प्रतिबद्ध है तो पाकिस्तान को भी शिमला समझौते से बाहर हो जाना चाहिए, जिसमें कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था शामिल नहीं है।'

पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर के पूर्व 'प्रधानमंत्री' राजा मोहम्मद फ़ारूक़ हैदर ख़ान ने एक्स पर लिखा था, 'भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित करने का एकतरफ़ा फ़ैसला किया है। हमें इसके जवाब में शिमला समझौते से बाहर हो जाना चाहिए। ख़ास कर कश्मीर से जुड़े मामलों में।' पाकिस्तानियों का इनका तर्क है कि शिमला समझौता पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने से रोकता था, लेकिन अब पाकिस्तान बिना किसी राजनयिक बाध्यता के कश्मीर का मुद्दा हर अंतरराष्ट्रीय फोरम पर उठाएगा। हालांकि शिमला समझौते में रहते हुए भी पाकिस्तान ऐसा करता रहा है।

1971 में भारत-पाकिस्तान की जंग के बाद औपचारिक शिमला समझौता हुआ था। यह एक औपचारिक समझौता था, जिसे दोनों देशों के बीच शत्रुता ख़त्म करने के लिए अहम माना गया था। शिमला समझौते के मुताबिक़ दोनों देश सभी मुद्दों का समाधान द्विपक्षीय वार्ता और शांतिपूर्ण तरीक़ों से करेंगे। नई लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) बनी और दोनों देश इसका सम्मान करेंगे और कोई भी एकतरफ़ा फ़ैसला नहीं लेगा। दोनों पक्ष एलओसी को पैमाना मान एक दूसरे के इलाक़े से सैनिकों को हटाने पर सहमत हुए थे।

सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जवाब शिमला समझौते से बाहर होना पाकिस्तान के लिए कितना माकूल होगा?

इस पर दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र के प्रोफ़ेसर महेंद्र पी लामा कहते हैं, 'शिमला समझौता पहले से ही मृत है, जबकि सिंधु जल संधि की हर लाइन अब भी ज़िंदा हैपाकिस्तान के लोग उस समझौते को ख़त्म करने की बात कर रहे हैं, जिसकी हत्या ख़ुद पाकिस्तान बहुत पहले कर चुका है।' लेकिन पाकिस्तान पर सिंधु जल संधि को स्थगित होने का बहुत बुरा असर पड़ेगा। पाकिस्तान की 80 फ़ीसदी से ज़्यादा आबादी प्रभावित होगी क्योंकि सिंधु का 70 फ़ीसदी पानी पाकिस्तान को जाता है। पाकिस्तान का 80 फ़ीसदी से ज़्यादा कृषि उत्पाद सिंधु जल संधि से मिलने वाले पानी पर निर्भर है। 'जहाँ तक शिमला समझौते की बात है तो इसका उल्लंघन पाकिस्तान हर दिन करता है।अच्छा ही है कि वह इस समझौते बाहर हो गया।'

'थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाइंडेशन (ओआरएफ़) के सीनियर फेलो और पाकिस्तान पर नज़र रखने वाले सुशांत सरीन कहते हैं कि पाकिस्तान का शिमला समझौते से बाहर होना भारत के लिए तनिक भी झटका नहीं है। इससे भारत को कश्मीर के मामले में बड़े फ़ैसले लेने में मदद ही मिलेगी। दिलचस्प यह है कि शिमला समझौते को पाकिस्तान कब का छोड़ चुका है। पाकिस्तान अगर इस समझौते को मानता तो करगिल की जंग नहीं छेड़ता और आतंकवादियों को पनाह नहीं देता। ऐसे में पाकिस्तान एक मरे हुए समझौते की अंत्येष्टि करना चाहता है तो कर दे।'

क्या भारत ने शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं किया है? क्या जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा ख़त्म करना शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं था? प्रोफ़ेसर महेंद्र लामा कहते हैं, 'अनुच्छेद 370 को ख़त्म करना शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं था। 370 भारत के संविधान का मामला था और संसद के पास संविधान संशोधन का अधिकार है। ऐसे भी पाकिस्तान का सामना ताक़त से ही किया जा सकता है न कि शिमला समझौते से।'

क्या भारत सिंधु जल संधि तोड़कर इसके पानी को संभाल सकता है? प्रोफ़ेसर लामा कहते हैं, 'संभव है कि अभी संभालना मुश्किल हो लेकिन किसी अहम फ़ैसले पर पहुँचने की शुरुआत ऐसे ही होती है। पानी के कुछ हिस्से को संभालने की व्यवस्था भारत ने की है लेकिन आने वाले सालों में यह व्यवस्था और बढ़ेगी।'

पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर की सरकार में सचिव रहे और वरिष्ठ अधिवक्ता राजा मोहम्मद रज़्ज़ाक़ ने एक्स पर लिखा है, 'भारत सिंधु जल संधि पर कोई भी एकतरफ़ा फ़ैसला नहीं ले सकता है। भारत को यह अंदाज़ा होना चाहिए कि चीन ब्रह्मपुत्र नदी के मामले में लोअर रिपेरीअन है। यानी ब्रह्मपुत्र चीन से निकलती है। बांग्लादेश में पहुँचने से पहले ब्रह्मपुत्र चीन से भारत आती है। पूर्वोत्तर भारत ब्रह्मपुत्र नदी पर बहुत हद तक निर्भर हैं। चीन भी भारत की तरह फ़ैसला कर सकता है।' क्या चीन भी इस तरह का फ़ैसला ले सकता है? प्रोफ़ेसर लामा कहते हैं, 'ब्रह्मपुत्र नदी के साथ अगर चीन ऐसा करेगा तो बांग्लादेश पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। चीन पाकिस्तान को ख़ुश करने के लिए दो देशों को परेशान करेगा, मुझे ऐसा नहीं लगता है।'

सिंधु नदी भी चीन से ही निकलती है, ऐसे में भारत सिंधु नदी के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकेगा तो क्या चीन चुप रहेगा?

प्रोफ़ेसर लामा कहते हैं, 'सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है और मुझे नहीं लगता है कि तिब्बत में चीन पानी को संभाल सकता है। अगर चीन पानी रोक भी लेगा तब भी पाकिस्तान को नहीं पहुँचेगा।'

2016 में उरी में हमले के बाद पीएम मोदी ने सिंधु जल संधि को लेकर कहा था कि पानी और ख़ून साथ नहीं बह सकते। अब यह बात पाकिस्तान की तरफ़ से कही जा रही है कि अगर सर्वाइवल का संकट होगा तो पानी न सही तो ख़ून ही बहेगा। दरअसल भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने एक वीडियो पोस्ट कर कहा है, '133 मिलियन एकड़ फिट पानी हमें मिलता है और मिलता ही रहना चाहिए। अगर ये पानी नहीं मिलेगा तो ख़ून ही बहेगा। ये पाकिस्तान 1971 का नहीं है. ये पाकिस्तान 1998 के बाद का है और हमारे पास परमाणु बम है। इसका ख्याल आप भी रखिएगा।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी नहीं देंगे

● जम्मू-कश्मीर बन जाएगा भारत का पावर हाउस ● भारत ने सिंधु जल समझौते पर रोक लगाकर पाकिस्तान की नींद उड़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सबसे पहला कूटनीतिक कदम ये उठाया है कि सिंधु जल समझौते (आईडब्ल्यूटी) पर रोक लगा दी है। अगर आगे चलकर भी पाकिस्तान अपनी हरकतें नहीं सुधारेगा तो भारत इसे पूरी तरह से रद्द करने की ओर कदम उठा सकता है। अगर ऐसा हो गया तो एक दिन ऐसी नौबत आ सकती है कि पाकिस्तान को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। यही वजह है कि अपनी पहली प्रतिक्रिया में उसने इसे 'युद्ध की कार्रवाई' माना है। अब हम यहां बात करेंगे कि भारत ने पहली बार इस तरह का कदम उठाया है तो क्या इसके पीछे कुछ ठोस रणनीति है या फिर यह सिर्फ नाराजगी का एक संदेश देने भर की कोशिश है। केंद्र ने कहा- पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं देंगे, सिंधु जल समझौता स्थगित करने का फैसला 3 फेज में होगा, 3 तरह की रणनीति बन रही।

हर कानूनी पहलुओं पर चल रहा है विचार

सिंधु जल संधि के अनुसार, भारत को किसी भी नई परियोजना पर काम शुरू करने से पहले पाकिस्तान को छह महीने का नोटिस देना होता है। पाकिस्तान बार-बार इन परियोजनाओं पर आपत्ति जताता रहा है, जिससे काम में रुकावट आती रही है। लेकिन, संधि के निलंबन से भारत को इस नियम का पालन करने की जरूरत नहीं होगी। भारत, पाकिस्तान को बाढ़ के डेटा सहित हाइड्रोलॉजिकल डेटा शेयर करना भी बंद कर सकता है। सरकार इसके कानूनी पहलुओं पर विचार कर रही है।

सिंधु समझौता रद्द होने से चमकेगी पंजाब की किस्मत

● **निश्चित रूप से हमें फायदा हो सकता है-** सचदेवा ने यह भी बताया कि पाकिस्तान किस तरह से इन नदियों पर पूरी तरह से निर्भर है। उन्होंने बताया, वेस्टर्न रिवर्स का करीब 130 मिलियन एकड़ फीट मेरे ख्याल से पाकिस्तान चला जाता है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत खेती को इससे लाभ मिलता है, अभी जो इस पानी को रोकने की बात हो रही है, वह इतना आसान नहीं होगा, वहां का भूगोल बहुत मुश्किल है। कई तरह का इंजीनियरिंग चैलेंज हैं। लेकिन, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह संभव होता है तो, निश्चित रूप से हमें सिंचाई के लिए और पानी मिल सकता है।

संधि का बहुत फायदा उठा रहा पाकिस्तान

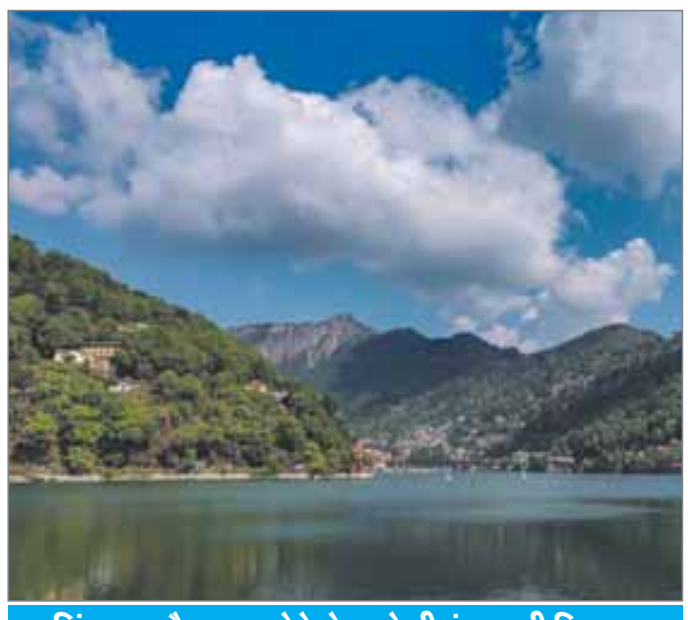

इस फैसले के बारे में कूटनीतिक मामलों के एक्सपर्ट रॉबिन सचदेवा का कहना है कि सिंधु समेत चेनाब और झेलम की नदियों का पानी पाकिस्तान की ओर जाने से रोकना और संधि को पूरी तरह से तोड़ देना इतना आसान नहीं है। उन्होंने बताया, तीन नदी पाकिस्तान को जाते हैं, जो वेस्टर्न रिवर्स कहलाती हैं और तीन भारत की ओर आती हैं, जो ईस्टर्न रिवर्स कहलाती हैं। अभी हमारे ईस्टर्न रिवर्स (रावी, ब्यास और सतलुज) में सालाना करीब 35 मिलियन एकड़ फीट पानी बहता है। इसका करीब 30 मिलियन एकड़ फीट ही हम इस्तेमाल कर पाते हैं।....वेस्टर्न रिवर्स (सिंधु, चेनाब और झेलम) के सालाना मेरे ख्याल से लगभग 135 मिलियन एकड़ फीट हैं। भारत उस पानी का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन संधि के मुताबिक हम उसे रोक नहीं सकते।

भारत ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। स्क्रैमजेट इंजन के एक्टिव कूल्ड कम्बस्टर का जमीन पर 100 सेकंड तक सफल परीक्षण किया है। हाइपरसोनिक मिसाइलें ध्वनि की गति से पांच गुना ज्यादा तेजी से उड़ती हैं। यानी ये मिसाइलें Mach 5

से भी तेज होती हैं। राक्ष अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की हैदराबाद स्थित प्रयोगशाला रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL) ने हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दुनिया की बड़ी ताकतें इन मिसाइलों को बनाने में जुटी हैं क्योंकि ये मौजूदा मिसाइल और हवाई सुरक्षा प्रणालियों को चकमा दे सकती हैं। मिसाइल की खासियत है कि इसकी तेज रफ्तार, बेहतरीन कंट्रोल और कम ऊंचाई पर उड़ान भरने की क्षमता।

एयरफोर्स का 'आक्रमण', नौसेना की ड्रिल, आर्मी चीफ खुद पहुंचे कश्मीर... एक्शन तेज

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों की सेनाएं युद्धाभ्यास कर रही हैं। भारत ने एक तरफ सिंधु समझौता स्थगित कर दिया है तो वहीं भारत के आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी एलओसी पर हालात का जायजा ले रहे हैं, जबकि पाकिस्तान ने शिमला समझौते को रद्द कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। एक तरफ एयरफोर्स 'आक्रमण' के नाम से युद्धाभ्यास कर रही है तो वहीं सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जम्मू-कश्मीर पहुंच चुके हैं। दोनों देशों की नौसेनाएं भी अरब सागर में युद्धाभ्यास कर रही हैं।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

आँगन के पनियारे में
रखा है वो
उसके जिस्म के पोर पोर में
साँस लेता है पानी
वह रिसता है, मगर उसका चूना
पानी को ठंडाता है दूना।
उसके पोर पोर से गुजरती है हवा
और उसकी पकी हुई माटी
अपनी छिद्रिल देह से हँसती है
घर में रखे फ्रीज़ जैसा उसका ठाट नहीं
पर वह किसी बिजली का मोहताज़ नहीं
उसमें सागर है
जो खारा नहीं
वह कुम्भ है कभी उसमें भरा था अमृत
वह मटियाला है,
पुण्डरीक है वह
देता है तृप्ति जीवन भर
और मरने के बाद भी।

\- गोविंद गुंजन

विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करें : मुख्यमंत्री

सीएम ने एमपीएसआईडीसी के संचालक मंडल की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। उज्जैन में आईटी पार्क के द्वितीय चरण का कार्य समय सीमा निर्धारित कर पीपीपी मोड पर तत्काल आरंभ किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्टेट

इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसआईडीसी) के संचालक मंडल की बैठक में निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक कम्पनियों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन ऋण, पूंजीगत सब्सिडी आदि के रूप में दी जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए ऋणों की वसूली की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

● पाक के रक्षा मंत्री का कबूलनामा

हां हमारा देश पाकिस्तान, 30 साल से आतंकियों का समर्थन कर रहा है

● अमेरिका के कहने पर हम यह गंदा काम कर रहे हैं, अब सजा भुगत रहे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने माना है कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह 'गंदा काम' कर रहे हैं।

ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को ब्रिटिश अखबार द स्काई को दिए इंटरव्यू में यह बातें कहीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है?

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने आतंकियों को फ्रीडम फाइटर्स बताया- पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहलगाम हमले के आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहा है। डार ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हमें तो शुक्रगुजार होना चाहिए कि ये फ्रीडम फाइटर्स भी हो सकते हैं। हालांकि हम नहीं जानते कि ये कौन हैं। मुझे लगता है कि वे अपनी नाकामी और अपनी घरेलू राजनीति के लिए पाकिस्तान पर इल्जाम लगा रहे हैं।इशाक डार पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री भी हैं।

आसिफ बोले- दोनों देश परमाणु शक्ति, दुनिया को चिंतित होना चाहिए

पहलगाम मामले को लेकर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ विवाद दोनों देशों के बीच बड़े जंग का रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि भारत जो भी करेगा, पाकिस्तान उसका जवाब देगा। अगर चीजें गलत हुईं तो इस टकराव का असर खतरनाक हो सकता है। पाक रक्षा मंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान नहीं, बल्कि भारत दोषी है। यदि भारत हमारे खिलाफ कोई एक्शन लेता है, तो पाकिस्तान उसका उसी तरह जवाब देगा।

भारत के साथ जंग का खतरा

● पाक आर्मी प्रमुख मुनीर ने परिवार को भेजा विदेश

भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर और कई सैन्य अधिकारियों ने अपने परिवार को विदेश भेज दिया है। दावा किया गया है कि असीम मुनीर के साथ कई सैन्य अधिकारियों ने अपनी बीवी और बच्चों को यूरोपीय देशों में भेज दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग का खतरा बढ़ गया है। मीडिया सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है।

● श्रीनगर में हमले में घायल हुए लोगों से राहुल गांधी ने की मुलाकात,बोले

'सरकार जो भी एक्शन लेगी हम साथ देंगे'

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने श्रीनगर में हमले में घायल हुए लोगों से मुलाकाात की। इस बीच कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों में मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट रहें और इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें और आतंकवाद को हमेशा के लिए हरा दें। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 26 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

वक्फ कानून पर केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

- कहा- धार्मिक अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। केंद्र ने कहा, 'वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि वैधानिक निकाय है।'

केंद्र ने वक्फ (संशोधन) की वैधता के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज करने की मांग की। केंद्र ने कहा, अदालतें वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगा सकती, संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर सकती हैं और निर्णय दे सकती हैं। संसद में बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। विधायिका द्वारा लागू की गई विधायी व्यवस्था को बदलना स्वीकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अप्रैल को 7 दिन के अंदर केंद्र से वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा था।

सावरकर मामले में सुप्रीम कोर्ट बोला-

राहुल को इतिहास-भूगोल नहीं मालूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे

सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी।

पूर्व इसरो चीफ के. कस्तूरीरंगन का निधन

84 की उम्र में अंतिम सांस ली

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के पूर्व चीफ डॉ के कस्तूरीरंगन की शुक्रवार सुबह मौत हो गई।

वह 84 साल के थे। अधिकारियों ने बताया कि कस्तूरीरंगन ने बेंगलुरु में अपने घर पर अंतिम सांस ली। 27 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में रखा जाएगा। कस्तूरीरंगन को दो साल पहले दिल का दौरा पड़ा था। उसके बाद से वे बीमार चल रहे थे। कस्तूरीरंगन 1994 से 2003 तक इसरो चीफ थे।

'एयर एंबुलेंस के लिए सेंसिटिव एरिया में बनाएं हेलिपैड'

सीएम यादव बोले- जहां सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा हो रहीं, ऐसे क्षेत्र चिह्नित कर ट्रॉमा सेंटर पहुंचाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एयर एम्बुलेंस सेवा के बेहतर उपयोग के लिए सेंसिटिव क्षेत्रों में प्राथमिकता से आवश्यक लैंडिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कराए जाएं। ऐसे क्षेत्र जहां सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं उन्हें चिह्नित करने और इन क्षेत्रों से ट्रामा सेंटर तक जल्दी पहुंचाने पर अधिकारी फोकस कर काम करें। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में जहां उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां पीपीपी मोड पर चिकित्सालय बनाने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा योजना की वृहद समीक्षा के दौरान सीएम डॉ. यादव ने कहा कि योजना के सटीक रिजल्ट के लिए गृह विभाग, स्वास्थ्य विभाग और विमानन विभाग के आपसी समन्वय से एक्शन प्लान तैयार किया जाए ताकि सेवाओं का बेहतर उपयोग कर लोगों का अमूल्य जीवन सुरक्षित किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकालीन स्थितियों, जैसे सड़क दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा में, ट्रॉमा यूनिट और प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम को घटना स्थल तक एयर एम्बुलेंस द्वारा पहुंचाया जाना चाहिए। इसके साथ ही एयर एम्बुलेंस सेवा के बेहतर उपयोग के लिए सेंसिटिव क्षेत्रों में प्राथमिकता से आवश्यक लैंडिंग अधोसंरचना का विकास करने पर उन्होंने जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐसे क्षेत्र जहां सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं उन्हें चिह्नित करने और इन क्षेत्रों से ट्रॉमा सेंटर तक जल्दी पहुंचाने के लिए योजना पर कार्य करने के निर्देश दिए ताकि शीघ्रता से पीड़ित को चिकित्सकीय सेवाएं दी जा सकें।

कलेक्टर, सीएमएचओ, पुलिस का कोआर्डिनेशन- मुख्यमंत्री ने सिविल सर्जन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कलेक्टर और पुलिस प्रशासन को लगातार कोआर्डिनेशन रखने और आवश्यकता पड़ने पर एयर एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला स्तर पर योजना के प्रावधानों और सेवाओं के प्रति विभागीय अधिकारियों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

गोल्डर ऑवर में ट्रीटमेंट सबसे जरूरी-सीएस- बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और आपदाओं में गोल्डन ऑवर ट्रीटमेंट अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से आवश्यक सेवाओं के प्रावधान किए जा रहे हैं। मंत्रालय से संपर्क कर सेवाओं के बेहतर उपयोग और प्रबंधन को तय करने की आवश्यकता है।

बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, अपर मुख्य सचिव गृह जेएन कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव, आयुक्त विमानन चंद्रमौली शुक्ला सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

61 रोगियों को मिली पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा- बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक 61 मरीजों को पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का लाभ प्राप्त हुआ है जिनमें से 52 मामलों में निःशुल्क सेवा प्रदान की गई है। जबकि 9 मामलों में फीस के जरिए सेवा दी गई। इन 61 मामलों में रीवा जिले से 19 रोगियों का एयर एम्बुलेंस से परिवहन किया गया जिनमें से 17 को निःशुल्क सेवा मिली। जबलपुर से 11, भोपाल से 8, छतरपुर से 6, ग्वालियर और दिल्ली से 3-3 मरीजों को एयर एम्बुलेंस सेवा प्राप्त हुई। बालाघाट, इंदौर, और पन्ना से 2-2 रोगियों को और बैतूल, कटनी, नरसिंहपुर, सतना और उज्जैन से 1-1 मरीजों को यह सेवा प्राप्त हुई।

सबसे अधिक मामले हार्ट से जुड़े रहे- इन 61 मामलों में सबसे अधिक 14 प्रकरण हृदय रोग से संबंधित थे, इसके अतिरिक्त श्वास रोग के 10, सड़क दुर्घटनाओं के 7 और हेड इंजरी एवं स्पाइनल इंजरी के 6 मामले रहे। इसके अलावा, लिवर रोग और अंग दान से जुड़े 3-3, किडनी रोग और बर्न के 2-2 मरीजों को एयर एम्बुलेंस सेवा से उच्च स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुँचाया गया।

आईटी पर केन्द्रित होगा प्रदेश का पहला सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव

आईटी सेक्टर में मध्यप्रदेश करेगा अपनी विशेष पहचान स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आईटी में प्रदेश के युवाओं की पहल सराहनीय

जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर के उद्योगपति हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भविष्य की तकनीक का आधार आईटी है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए समय के साथ चलने के लिए आईटी सेक्टर में निवेश और गतिविधियों का विस्तार आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद पहली सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव आईटी पर केन्द्रित की जा रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में आईटी इंडस्ट्री का पर्याप्त आधार विद्यमान है। राज्य सरकार आवश्यक सहयोग और समर्थन उपलब्ध कराकर प्रदेश की आईटी इंडस्ट्री को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक व्यापक स्वरूप देने की इच्छुक है। इंदौर में 27 अप्रैल को होने वाली 'टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' इस दिशा में निश्चित ही परिणाममूलक रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में होने वाली आईटी कॉन्क्लेव के संबंध में विभिन्न जिलों के उद्योगपतियों से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअली संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में उद्योगपतियों ने आईटी पार्क के विस्तार की आवश्यकता बताई। साथ ही आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों ने दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा और औद्योगिक गतिविधियों में समन्वय, स्टार्ट-अप में उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने, प्राकृतिक गैस पर टैक्स कम करने और प्रदेश में स्टार्ट-अप कम्युनिटी के मध्य बेहतर समन्वय संबंधी चर्चा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क विकसित करने, प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन लागू करने और एआई आधारित गतिविधियों की अन्य उद्योगों में स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों की पहल और नवाचार की सराहना करते हुए उन्हें गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह संवाद राज्य शासन और आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों के बीच मजबूत रिश्तों का आधार बनेगा और सबके सहयोग से मध्यप्रदेश आईटी सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न उद्योगपतियों से संवाद किया। जबलपुर के श्री चंद्रेश वीरा प्रेम संस इंटरप्राईजेस और श्री अनुराग श्रीखंडे इंटेनिक्स प्रायवेट लिमिटेड से चर्चा की। ग्वालियर के श्री धर्मेन्द्र कुमार यादव स्मार्ट कंट्रोल इंडिया लिमिटेड, श्री अनुराग श्रीवास्तव आईआईआईटीएम, श्री राजेश खन्ना एसआरएफ लिमिटेड, श्री मुकुल चतुर्वेदी सूर्या रोशनी लिमिटेड और श्री कृष्णकांत चतुर्वेदी कोमोनिफाय वेंचर प्रायवेट लिमिटेड से चर्चा की। भोपाल के श्री मितेश लोकवानी एचएलबीएस, श्री सारंग वर्मा एपोंइटी और श्री अभिषेक गुप्ता वी विन से चर्चा की। इंदौर के श्री संजीव अग्रवाल इम्पेटस, श्री नरेंद्र सेन रेकबैंक, श्री धर्मेंद्र जैन यश टेक्नोलॉजी, सुश्री शानू मेहता एमएमसी कोन्वेर्टर और श्री आदित्य शास्त्री डेटा प्योर से चर्चा की। उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उनकी कम्पनियों के कार्यों, निवेश, रोजगार की जानकारी से अवगत कराया। आईटी और संबंधित क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने 27 अप्रैल को आयोजित 'टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' के कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीसीसी, ड्रोन, एवीजीसी और सेमीकॉन नीति के संबंध में चार राउंड टेबल मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत गठित सलाहकार बोर्ड के सदस्यों से वीसी के माध्यम से चर्चा की जाएगी। मुख्य कार्यक्रम में टेक डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश की फिल्म प्रस्तुति, विभिन्न इकाइयों का भूमि-पूजन किया जाएगा। कायक्रम में नवीन स्थापित सेन्ट्रल ऑफ एक्सीलेंस और इन्क्यूबेशन सेन्टर का उद्घाटन भी किया जाएगा। चिह्नित इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाएंगे एवं आवंटन-पत्र भी सौंपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की चार नीतियों जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर एवं एवीजीसी नीतियों की गाईड लाइंस भी जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में आईटी एवं संबंधित क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, एमडी एमपीएसईडीसी श्री आशीष वशिष्ठ, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी श्री गुरू प्रसाद सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

यूपी बोर्ड रिजल्ट 12वीं में दिहाड़ी मजदूर की बेटी महक जायसवाल ने किया टॉप

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी बोर्ड रिजल्ट 2025 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं 2025 के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए, जिसमें हाईस्कूल (10वीं कक्षा) की परीक्षा में जालौन के यश प्रताप सिंह और इंटरमीडिएट (12वीं कक्षा) में प्रयागराज की महक जायसवाल ने बाजी मारी। महक जायसवाल प्रयागराज की रहने वाली हैं, उन्होंने 12वी की परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया है। यहां बोर्ड मुख्यालय में परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा में शीर्ष 10 में कुल 55 छात्र-छात्राओं ने स्थान हासिल किया है, जिसमें जालौन के यश प्रताप सिंह 97.83 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे।

कुमार मंगलम बिड़ला, लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित

- पुरस्कार आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन और पद्म भूषण से सम्मानित कुमार मंगलम बिड़ला को मुंबई में लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। बिड़ला को यह सम्मान भारत के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। इससे पहले यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गायिका आशा भोसले और अभिनेता अमिताभ बच्चन को भी मिल चुका है। यह पुरस्कार लता मंगेशकर की याद में 2022 में शुरू किया गया था। लता दीनानाथ मंगेशकर

पुरस्कार मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान की ओर से दिया जाता है। यह एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट है। मंगेशकर परिवार इसे 35 सालों से चला रहा है।

दिल्ली में आज से 'ट्रिपल इंजन' की सरकार

राजा इकबाल सिंह बने नए मेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर का चुनाव शुक्रवार को संपन्न हो गया। राजा इकबाल सिंह नए मेयर निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले, मेयर चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें बीजेपी के सभी सांसद मतदान करने पहुंचे। मेयर चुनाव में कुल 142 वोट डाले गए। इसमें राजा इकबाल सिंह को 133 वोट मिले। एक वोट अमान्य घोषित कर दिया गया। जीत के बाद राजा इकबाल सिंह ने कहा कि वह सभी को साथ लेकर चलेंगे। सफाई कार्यक्रम उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। दिल्ली की जनता को सभी सुविधाएं मिलेगी। अब दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार हो गई है।

- अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा

पाकिस्तानियों को खोज-खोज कर बाहर निकालें

- सिंधु जल समझौते को लेकर गृह मंत्री की बड़ी बैठक, पाकिस्तान को लेकर रणनीति पर चर्चा

नईदिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की है, उनकी तरफ से दो टूक कहा गया है कि सभी पाकिस्तानियों को खोज-खोज कर बाहर निकाला जाए, उनके वीजा रद्द हों। पहलगाम हमले के बाद यह पहला मौका है जब अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से ऐसे बात की है। बताया जा रहा है कि गृह मंत्री ने पहले सभी बड़े अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी, उसके बाद ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए ये निर्देश जारी किया गया।

जानकारी के लिए बता दें कि बुधवार को ही सीसीएस की बैठक के बाद फैसला हो चुका था कि पाकिस्तानियों के वीजा रद्द होंगे। अब इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी ऐसा करने के निर्देश दे दिए हैं।

पहलगाम हमले का बदला शुरू

- आतंकियों के ठिकानों पर सुरक्षा बलों का ताबड़तोड़ एक्शन, बुलडोजर चला-घर में विस्फोट

श्रीनगर/नईदिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए खौफनाक आतंकी हमले के बाद अब भारत ने बड़ा जवाब देना शुरू कर दिया है। हमले के पीछे शामिल आतंकियों को सबक सिखाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने तेज और टारगेटेड कार्रवाई का मोर्चा संभाल लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'कड़े एक्शन' की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद अब जमीन पर एक्शन देखने को मिल रहा है।

त्राल में आतंकी के घर में धमाका, दूसरे का घर ध्वस्त- इस सिलसिले में सबसे बड़ी कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के त्राल इलाके में हुई, जहां पुलिस ने आतंकी आसिफ के घर पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि उसके घर में विस्फोटकों का बड़ा जखीरा छुपाया गया था, जिसमें अचानक धमाका हो गया।

'सूअर और पाकिस्तानियों की नो एंट्री'

- पहलगाम हमले के खिलाफ इंदौर में भड़के लोग; छप्पन दुकान पर लगे पोस्टर

इंदौर(म.प्र.) (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश आगबबूला है। आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई। घटना के बाद पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से कई बड़े फैसले लिए गए, जिससे पाकिस्तान बौखला गया है। इस बीच मध्य प्रदेश में भी लोग पाकिस्तान का विरोध कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में छप्पन दुकान के बीच जानता ने पाकिस्तानियों के खिलाफ पोस्टर लगा दिए हैं। इस पोस्टर के माध्यम से पाकिस्तानियों का विरोध जताया जा रहा है।

पिग्स एंड पाकिस्तानी सिटीजंस आर नॉट अलाउड- मध्य प्रदेश के इंदौर में छप्पन दुकानों के बीच लोगों ने एक पोस्टर लगाया है। इसमें एक सुअर की तस्वीर लगाई गई है। इसके साथ ही इसमें लिखा गया है कि Pigs And Pakistani Are not Allowed (सूअरों और पाकिस्तान के लोग यहां आना माना है)।

बहराइच में राइस मिल ड्रायर फटा, 5 की मौत

- धुआं भरने से बेहोश होकर गिरे, 3 की हालत गंभीर

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच में राइस मिल का ड्रायर फटने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 की हालत गंभीर है। हादसा शुक्रवार सुबह 7 बजे हुआ। इस दौरान मिल में 15-17 मजदूर काम कर रहे थे। तभी मिल का ड्रायर फट गया। इसके बाद आग लग गई। थोड़ी देर में मिल में धुआं भर गया। इसके चलते मजदूर बेहोश होकर इधर-उधर गिरने लगे। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने 5 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम मोनिका रानी मौके पर पहुंची हैं। उन्होंने कहा- राइस मिल में धान सुखाया जा रहा था, तभी हादसा हो गया।

बिहार में डबल मर्डर

साधु के उखाड़े बाल और महिला की फोड़ दी आंखें

बगहा (पश्चिम चंपारण) (एजेंसी)। वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के जंगल के किनारे स्थित ठाड़ी रेता में साधु दंपती की हत्या कर शवों को फेंक दिया गया। बदमाशों ने साधु के बाल उखाड़ दिए थे। वहीं, महिला की आंखें फोड़ी गई थी। चेहरा भी बुरी तरह कुचल दिया था।

पहलगाम हमले से दुखी होकर छोड़ा इस्लाम, हिंदू धर्म अपनाया

इंदौर में दरगाह परिसर में कराई हनुमान चालीसा ; भंडारा भी कराया

इंदौर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने इंदौर के एक मुस्लिम का हृदय परिवर्तन कर दिया। शहाबुद्दीन नाम के इस शख्स ने मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया है। उसने नाम बदलकर श्यामू रख लिया। उसने ये भी कहा कि जिस दरगाह परिसर में वह कव्वाली का आयोजन कराता था, वहां अब केवल हनुमान चालीसा, रामायण और सुंदरकांड का पाठ होगा। श्यामू ने इस मौके पर दरगाह परिसर में ही हनुमान चालीसा पाठ और भंडारे का आयोजन भी किया। इसमें मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल हुए। ये घटनाक्रम इंदौर के कुलकर्णी भट्टा इलाके का है।

पहले हिंदू ही था, कव्वाली से प्रभावित होकर बदला था धर्म- दरअसल, श्यामू पहले हिंदू ही था, उसने कव्वाली से प्रभावित होकर मुस्लिम धर्म अपना लिया था। अब, जब उसे पता चला कि पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर लोगों को गोली मारी तो उसने दरगाह में होने वाली कव्वाली बंद कर दी और सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ कराया। साथ ही प्रसाद वितरण भी कराया है।झ इससे पहले श्यामू और वहां मौजूद लोगों ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर देश के वीरों को नमन किया।

पूर्व पार्षद बोले- हम इनकी घर वापसी की कोशिश में लगे थे- पूर्व पार्षद जीतू यादव ने कहा कि हम लंबे समय से इनकी घर वापसी की कोशिश में जुटे थे। पहलगाम में कायराना हमला हुआ, उसकी पूरी जानकारी हमने इन्हें दी, जिसके बाद परिवार ने निर्णय लिया कि धर्म पूछकर मार रहे हैं, ऐसे धर्म में नहीं रहना।

मैं भटक गया था, अब यहां भंडारा-हनुमान चालीसा ही होगी

शहाबुद्दीन से श्याम लाल उर्फ श्यामू बने बुजुर्ग ने कहा कि पहलगाम हादसे से बहुत दुख हुआ। हमारे देश में ऐसा कभी हुआ नहीं। खुद को लेकर उन्होंने कहा कि मैं भटक गया था, उधर चला गया था। समाज के लोगों से बात करने और उनके समझाने के बाद वापस अपने हिंदू धर्म में आया हूं। यहां अब हर साल भंडारा चलता रहेगा। इसीलिए हमने कव्वाली रोककर सुंदरकांड का पाठ रखा।

मंत्री तुलसी सिलावट ने सांवेर में किया सड़क का भूमिपूजन

आतंकी हमले पर बोले- सरकार आतंकवाद के खिलाफ कठोर फैसले लेने में सक्षम

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के सांवेर में आज मंत्री तुलसी सिलावट और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने 32 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली एमआर 10 सड़क का भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री सिलावट ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कहा कि देश आज आतंकी हमले से दुखी है, लेकिन भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ कठोर फैसले लेने में सक्षम है। विकास और सुरक्षा दोनों में सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। भाजपा जो कहती है, वह करती है और इंदौर इसका सजीव उदाहरण है।सिलावट ने आगे कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि विकास कार्यों के दौरान ना किसी का घर जाएगा, ना किसी की जमीन।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना में दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद उन्होंने कहा कि यह भूमिपूजन विकास का प्रतीक है, परंतु वर्तमान समय में जब देश शोक में है, तब हम उत्सव नहीं, बल्कि संकल्प के साथ यह शुरुआत कर रहे हैं। इंदौर शहर के मास्टर प्लान के तहत 23 प्रमुख सड़कों का निर्माण एक साथ शुरू हुआ है, जिसकी कुल लागत 450 करोड़ रुपए है। इनमें से अकेले 100 करोड़ रुपए की सड़कें सांवेर क्षेत्र में बन रही हैं। यह इंदौर के इतिहास में पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे पर काम एक साथ शुरू हुआ है।

100 करोड़ की सड़कें बन रही सांवेर में- महापौर भार्गव ने कार्यक्रम के शुरुआत में हाल ही में

जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में कदम- महापौर ने क्षेत्र में जल समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पानी की टंकी का टेंडर स्वीकृत होने की जानकारी देते हुए कहा कि इंदौर की मौजूदा जनसंख्या के अनुपात में हमारे पास पानी की आपूर्ति आधी है। आने वाले सालों में 900 एमएलडी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, जिससे शहर की भविष्य की जरूरतें पूरी होंगी।

भस्म आरती दर्शन

भगवान महाकाल का पंचामृत पूजन के बाद भांग, चन्दन से श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार तड़के भस्म आरती के दौरान मंदिर के कपाट खोले गए। सबसे पहले सभा मंडप में वीरभद्र जी के कान में स्वस्तिवाचन कर, घंटी बजाकर भगवान से आज्ञा ली गई और सभा मंडप के चांदी के पट खोले गए। फिर गर्भगृह के पट खोलकर पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार उतारा और पंचामृत पूजन के बाद कर्पूर आरती की। नंदी हाल में नंदी जी का स्नान, ध्यान और पूजन किया गया। इसके पश्चात जल से भगवान महाकाल का अभिषेक किया गया। फिर दूध, दही, घी, शक्कर, शहद तथा फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। भगवान महाकाल को रजत चंद्र त्रिशूल, मुकुट और आभूषण अर्पित कर श्रृंगार किया गया। साथ ही भांग, चंदन, ड्रायफ्रूट और भस्म चढ़ाई गई। भगवान महाकाल ने शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाला और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ सुगंधित पुष्पों से बनी फूलों की माला धारण की। फल और मिष्ठान्न का भोग अर्पित किया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरा युवक, मौत

सुपरवाइजर ने अस्पताल पहुंचाया, ऊंचाई पर संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तेजाजी नगर स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरने के कारण एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह बिल्डिंग 10 मंजिल से ज्यादा ऊंची बनाई जा रही है, और काम के दौरान युवक नीचे गिर गया। घटना के बाद परिवार को बताया गया कि वह पहली मंजिल से गिरा था, लेकिन परिवार का आरोप है कि युवक ऊंची मंजिल से गिरा था, जिससे उसके शरीर में गंभीर चोटें आई थीं। तेजाजी नगर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक युवक कृष्णा (21), जो पप्पू कोरकू का बेटा है, जटाशंकर नगर बागली, देवास का निवासी था। गुरुवार को युवक को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। कृष्णा के दोस्त मुकेश ने बताया कि कृष्णा पिछले दो महीने से अपनी बहन के साथ काम के लिए इंदौर आया था और इसी परिसर में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के समय कृष्णा का संतुलन बिगड़ा था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह किस मंजिल से गिरा था। मृतक के माता-पिता जटाशंकर गांव में मजदूरी करते हैं और उनका एक ही बेटी है। पुलिस लापरवाही के आरोप में पूरी घटना की जांच कर रही है।

इंदौर में महिला से छेड़छाड़ और मारपीट

पिता के पूर्व मित्र ने रास्ता रोककर की अभद्रता, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के परदेशीपुरा इलाके में एक महिला से छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। महिला ने अपने पिता के पूर्व मित्र साजिद उर्फ बलवीर खान पर रास्ता रोकने, अभद्रता और मारपीट के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर साजिद को गिरफ्तार कर लिया है। परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक, साजिद सुखलिया का रहने वाला है और खुद को मीडियाकर्मी बताकर पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था। आरोपी के खिलाफ पहले से तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पीड़िता ने बताया कि वह अपने पिता के घर आई थी और बुधवार रात करीब 11 बजे नंदानगर स्थित अपने निवास लौट रही थी। रास्ते में साजिद ने उसे रोक लिया। वह नशे में था और पुराने पारिवारिक विवाद को लेकर उसे गालियां देने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि साजिद ने थप्पड़ भी मारा और अश्लील बातें कीं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो साजिद वहां से भाग गया। महिला ने गुरुवार को परिवार से बात कर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट और अभद्र व्यवहार की धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उर्दू में हनुमान चालीसा पढ़ते हैं सिंधी शरणार्थी

बोले- पाकिस्तान में डर, भारत में अपनापन, सांसद लालवानी ने दिया नागरिकता का आश्वासन

इंदौर (एजेंसी)। हम उर्दू में हनुमान चालीसा पढ़ते हैं, क्योंकि हिंदी ठीक से नहीं आती लेकिन इससे मन को सुकून और शक्ति मिलती है।यह कहना है उन सिंधी शरणार्थियों का, जो पाकिस्तान छोड़कर शांति और सुरक्षा की तलाश में भारत आए हैं। मध्यप्रदेश में ऐसे करीब 3 हजार परिवार हैं जो शॉर्ट टर्म वीजा पर भारत आए और अब वर्षों से नागरिकता की आस लगाए हुए हैं। इनमें से अधिकतर परिवार भोपाल और इंदौर में बसे हैं। इसी बीच, इंदौर से सांसद शंकर लालवानी ने एक वीडियो संदेश जारी कर सिंधी समुदाय को बड़ा आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से सिंधी हिंदुओं को किसी भी हाल में वापस नहीं भेजा जाएगा। खास बात यह रही कि सांसद ने यह वीडियो सिंधी भाषा में जारी किया, ताकि बात सीधे उनकी मातृभाषा में समुदाय तक पहुंच सके।झ लालवानी ने कहा- इन शरणार्थियों की सुरक्षा और स्थायी भविष्य केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नागरिकता प्रक्रिया को सरल बनाकर इन्हें जल्द भारतीय नागरिकता दिलाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सिंधी समुदाय के लिए राहत भरा आश्वासन

सांसद का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कई सिंधी शरणार्थी परिवार अपने भविष्य को लेकर असमंजस में थे। उनका यह आश्वासन सिंधी समुदाय के लिए राहत भरा माना जा रहा है। सांसद ने बताया कि वे सिंधी समुदाय के अधिकारों की पैरवी कर रहे हैं।

सिंधी बोले- पाकिस्तान में डर, भारत में अपनापन

इंदौर में रह रहे कई सिंधी शरणार्थियों ने बताया कि पाकिस्तान में आए दिन लूटपाट और भय का माहौल रहता था। वहीं भारत में उन्हें शांति और सुरक्षा महसूस होती है। चूंकि इनमें से अधिकांश को हिंदी बोलने में कठिनाई होती है, इसलिए वे उर्दू में हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। एक शरणार्थी ने बताया कि उर्दू में हनुमान चालीसा पढ़ने से मन को सुकून और ऊर्जा मिलती है। धीरे-धीरे वे हिंदी भी सीख रहे हैं और भारतीय समाज में घुलने-मिलने की कोशिश कर रहे हैं।

3 हजार सिंधी परिवार, पाकिस्तान से शॉर्ट टर्म वीजा पर

मध्यप्रदेश में करीब 3 हजार सिंधी परिवार हैं जो पाकिस्तान से शॉर्ट टर्म वीजा लेकर भारत आए और अब यहीं बस गए हैं। इनमें भोपाल और इंदौर में सबसे ज्यादा संख्या है। ये परिवार पिछले सात से पच्चीस वर्षों से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर रहे हैं। पूज्य सिंधी पंचायत के अनुसार, इन मामलों में देरी के बावजूद, केंद्र सरकार ने भोपाल और इंदौर के कलेक्टरों को नागरिकता देने का अधिकार दे रखा है। विशेष बात यह है कि देश में बसे पाकिस्तानी नागरिकों में से लगभग 50 फीसदी सिर्फ इंदौर में रह रहे हैं। ये सभी मुख्यत: पाकिस्तान के सिंध प्रांत, खासकर कराची से लगे इलाकों से आए हैं।

हाई कोर्ट ने कहा: पहले आओ, पहले पाओ की नीति दोषपूर्ण

इसे सार्वजनिक नियुक्ति के मामले में लागू नहीं कर सकते

इंदौर (एजेंसी)। हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने दोहराया है कि पहले आओ, पहले पाओ की नीति 'स्वाभाविक रूप से दोषपूर्ण' है और राज्य को सार्वजनिक रोजगार के मामलों में इसे लागू नहीं करना चाहिए। न्यायालय ने जल शक्ति मंत्रालय और जल संसाधन विभाग को भविष्य में उक्त नीति का सहारा नहीं लेने का निर्देश दिया। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने कहा यह सिद्धांत किसी भी सार्वजनिक रोजगार के मामले में लागू नहीं हो सकता। हालांकि, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि विज्ञापन जारी होने के बाद से बहुत समय बीत चुका था। यहां तक कि प्रशिक्षण भी जनवरी में पूरा हो चुका है। विज्ञापन को रद्द करके समय को पीछे ले जाने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। ऐसी परिस्थितियों में इस स्तर पर हस्तक्षेप का कोई मामला नहीं बनता है। फिर भी प्रतिवादियों को निर्देश दिया जाता है कि वे आगे से जल लेखा परीक्षा के लिए प्रशिक्षण देने के लिए पहले आओ पहले पाओ की नीति का सहारा न लें। जल लेखा परीक्षा में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवेदन मांगे गए थे। याचिकाकर्ता विवेक द्विवेदी ने चयन सूची को चुनौती दी थी। विज्ञापन के अनुसार प्रतिवादियों द्वारा कुछ व्यक्तियों का चयन किया गया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि प्रतिवादियों द्वारा पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवेदन स्वीकार करने की नीति त्रुटिपूर्ण है। इसे सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन एंड अदर्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एंड अदर्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निंदनीय बताया गया है।

इंदौर में हॉस्टल छात्रों के साथ मारपीट

लाठी-डंडों और बेल्ट से पीटा, युवती को लेकर हुआ था विवाद, पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के लसूडिया क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक निजी हॉस्टल में रहने वाले छात्र के साथ बाहरी युवकों ने जमकर मारपीट कर दी। युवती को लेकर हुई कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ा कि हमलावरों ने हॉकी, डंडे और बेल्ट निकालकर छात्र पर हमला कर दिया। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जो आसपास मौजूद लोगों ने बनाए। फिलहाल पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी की तलाश जारी है। घटना रात करीब 2 बजे की है। लसूडिया पुलिस के एसआई मुकेश झारिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक प्रेस्टीज कॉलेज का छात्र रोहन तिवारी, जो पास के निजी हॉस्टल में रहता है, रात को टहल रहा था।

तभी कार में सवार अभिमन्यु, प्रांजय और उनके अन्य साथी वहां पहुंचे और रोहन को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। हमला इतना अचानक और तेज था कि हॉकी, डंडे और बेल्ट का इस्तेमाल किया गया।

बचाने आए दोस्तों को भी पीटा- मारपीट की आवाज सुनकर जब हॉस्टल में मौजूद रोहन के दोस्त नीचे आए और बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ देर में दो आरोपियों को पकड़ लिया गया।

युवती को लेकर हुई थी बहस- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मारपीट की जड़ में एक युवती को लेकर हुआ विवाद है। दरअसल, आरोपी युवकों के दोस्त प्रभांसु पांडे की किसी युवती को लेकर मोबाइल पर छात्र रोहन तिवारी से बहस हुई थी, जिसके बाद हमले की योजना बनाई गई।

एमपी ट्रांसको इंदौर के कार्मिकों ने सीखी लाइफ सेविंग टेक्निक्स

शॉक लगने, श्वास नली में किसी वस्तु के फंसने, चोट लगने के इलाज की बताई बारीकियां

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश पॉवर कंपनी (एमपी ट्रांसको) और स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स (SDERF) के संयुक्त तत्वावधान में इंदौर के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभागों एवं सबस्टेशन कार्मिकों के लिए सीपीआर और अन्य जीवन रक्षक तकनीकों पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला एमपी ट्रांसको के 400 केवी सबस्टेशन इंदौर परिसर में हुई। इसकी संयोजक इंदौर की अतिरिक्त मुख्य अभियंता नीलम खन्ना थी।

उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभाग इंदौर 400 केवी सबस्टेशन संभाग इंदौर, परीक्षण एवं स्काडा संभाग इंदौर के लगभग 60 नियमित, संविदा, बाह्य सेवा प्रदाता एवं सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन इंदौर स्थित स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स के विशेषज्ञ प्रांतीय सिविल ऑफिसर

नीलेश डामोर और रंगपाल सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने व्यावहारिक और अत्यंत उपयोगी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में सीपीआर प्रशिक्षण के लिए मानव पुतले और वीडियो की सहायता से विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी ने विशेषज्ञों की निगरानी में मानव पुतले पर सीपीआर तकनीक का अभ्यास किया। साथ ही शॉक लगने, श्वास नली में किसी वस्तु के फंसने, चोट लगने आदि आपात परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी भी दी गई।

इंदौर में लू जैसे हालात, 40 डिग्री से ज्यादा तापमान

आज भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर हालात लू जैसे ही रहे। गर्म हवाओं और तेज धूप से शहरवासी को परेशान नजर आए। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री अधिक था। वहीं, न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई और यह 24 डिग्री सेल्सियस रहा। इन दिनों दिन और रात दोनों ही समय मौसम बेचैन करने वाला बना हुआ है। शुक्रवार सुबह से आसमान पूरी तरह साफ था। मौसम वैज्ञानिकों ने आज भी तेज गर्मी और लू जैसे हालात बने रहने की संभावना जताई है।वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और ट्रफ के कारण आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव संभव है। प्रदेश के कई हिस्सों में तेज लू का असर रहेगा, जबकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति भी बन सकती है। इसके बाद प्रदेशभर में गर्मी और अधिक बढ़ने के आसार हैं। इंदौर में विशेष रूप से गर्मी का असर अधिक महसूस किया जाएगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी इंदौर कोर्ट में पेश हुए

उपचुनाव में दर्ज हुआ था केस, शासकीय कार्य में बाधा डालने का आरोप

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शुक्रवार को जिला कोर्ट में पेश हुए। दरअसल, विधानसभा उप चुनाव के एक मामले में छोटी ग्वालटोली पुलिस ने पटवारी समेत अन्य कांग्रेसियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज किया था। इन सभी ने मौके पर धरना प्रदर्शन कर शासकीय कार्य में बाधा डाली थी। वहीं, कोरोना के समय प्रदर्शन करने के मामले में भी पटवारी के केस की सुनवाई हुई।

सुबह पटवारी अपने समर्थकों के साथ जिला कोर्ट पहुंचे। पेशी के बाद पटवारी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि आज कोर्ट के सामने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कोविड काल में जनहित को लेकर जो विपक्ष का दायित्व निभा रहे थे। मेरे कई साथी भी शामिल थे। आज मेरी पेशी थी। लोग हताहत हो रहे थे, जान गंवा रहे थे। न अस्पताल थे, न बेड

ऑक्सीजन भी नहीं थी। सबका संघर्ष था। तब सरकार को जगाने और कमियां बताने का समय था। उसे लेकर कोर्ट ने हमें आज बुलाया था। मेरा गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं हुआ था।

चौकसे ने चोरी का मुद्दा उठाया, एफआईआर हो गई- नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को लेकर बोला कि चिंटू पर धारा 307 के तहत केस दर्ज किया। उन्होंने 2 हजार करोड़ की चोरी का मुद्दा उठाया। ये अधिकारियों, एमआईसी, पार्षदों ने करप्शन किया। निगम के 2 हजार कर्मचारी अफसरों-नेताओं के यहां अटैच हैं। उनकी तनख्वाह शहर की जनता देती है। चिंटू ने मुद्दा उठाया तो उन पर केस दर्ज करके अंदर कर दिया।

सांवेर उपचुनाव के मामले में हुई पेशी

एडवोकेट संतोष यादव ने बताया कि 2018 के सांवेर उप चुनाव के दौरान एक समर्थक पर जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। इसके विरोध में कांग्रेस ने डीआईजी को ज्ञापन दिया था। इसमें कुछ कांग्रेस नेताओं को वारंट जारी किए गए थे। जिसकी आज सुनवाई थी। पंकज संघवी, विनय बाकलीवाल सहित 15-16 नेताओं की जमानत पर भी सुनवाई होना थी। कोर्ट ने प्रदेश अध्यक्ष को उपस्थित होने का निर्देश दिया था। पटवारी को मेडिकल ग्राउंड पर माफी दी गई थी। इसलिए उन्हें वारंट जारी नहीं किया गया। अब तक 20-25 पेशी हो चुकी है।

संपादकीय

क्यों बंद हो रहे स्टार्ट अप्स ?

देश में स्टार्ट अप इंडिया योजना के हो हल्ले के बीच चिंताजनक खबर यह है कि बीते दो वर्षों में 28 हजार से अधिक स्टार्ट अप बंद हो चुके हैं। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है। एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक यह तथ्य डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफार्म 'ट्रैक्सन' की रिपोर्ट में उजागर हुआ है। गौरतलब है कि स्टार्टअप से तात्पर्य एक इकाई से है, जो भारत में पांच साल से अधिक से पंजीकृत नहीं है और जिसका सालाना कारोबार किसी भी वित्तीय वर्ष में 25 करोड़ रुपये से अधिक नहीं है। यह एक इकाई है जो प्रौद्योगिकी या बौद्धिक सम्पदा से प्रेरित नये उत्पादों या सेवाओं के नवाचार, विकास, प्रविस्तारण या व्यवसायीकरण की दिशा में काम करती है। ट्रैक्सन के अनुसार भारत में इन दो वर्षों में बंद होने वाले स्टार्टअप की संख्या साल 2019 और 2022 के बीच तीन सालों में बंद होने वाले 2300 स्टार्टअप से कहीं ज्यादा है। इस साल अब तक 259 स्टार्टअप्स बंद हो चुके हैं। जबकि साल 2023 में यह आंकड़ा क्रमशः 15 हजार 921 और 2024 में 12 हजार 717 रहा था। इसी तरह, साल 2024 में शुरू किए गए स्टार्टअप्स की संख्या भी घटकर केवल 5264 रह गई, जबकि 2019 से 2022 के बीच हर साल औसतन 9600 से अधिक स्टार्टअप्स लॉन्च किए जा रहे थे। बंद होने के साथ नए स्टार्ट अप शुरू होने की गति भी बहुत धीमी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अब तक सिर्फ़ 125 स्टार्टअप ही शुरू हुए हैं। जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा स्टार्टअप्स बंद हुए हैं, उनमें एग्रीटेक, फिनटेक, एडटेक और हेल्थटेक शामिल हैं। बताया जाता है कि इन क्षेत्रों के स्टार्टअप्स के विफल होने की मुख्य वजह शुरुआती दौर में भारी पूंजी निवेश रहा, जिससे नकद खर्च बहुत अधिक हो गया और हर हाल में तेजी से बढ़ने की सोच हावी हो गई। इसके साथ ही ग्राहकों को लंबे समय तक बनाए न रख पाने की समस्या भी रही, जिससे संचालन खर्च और बढ़ गया। इसी तरह अधिग्रहणों की गति भी धीमी है। ट्रैक्सन के अनुसार, स्टार्टअप अधिग्रहणों की संख्या साल 2021 में 248 से घटकर पिछले साल 131 रह गई है। अलग-अलग स्टार्टअप को साथ लाने के सार्थक प्रयासों की कमी इसका कारण है। साथ ही इसी वजह से लगातार ऐसे कारोबार बंद भी हो रहे हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार भारत में डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या जो 2016 में लगभग 500 थी, वो बढ़कर 15 जनवरी, 2025 तक 1 लाख 59 हजार157 हो गई है। 31 अक्टूबर, 2024 तक, कुल 73 हजार151 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक शामिल है, जो भारत में महिला उद्यमियों के उदय को दर्शाता है। ट्रैक्सन की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार राहत की बात यह है कि बावजूद स्टार्ट अप्स के बड़ी संख्या में बंद होने के भारत दुनिया में स्टार्टअप इकोसिस्टम में तीसरे स्थान पर है और इसकी वृद्धि थमी नहीं है। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम ने 2025 की पहली तिमाही में 2.5 बिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल करके अपनी बढ़ोतरी जारी रखी। फिर भी देश में स्टार्ट अप अगर बंद हो रहे हैं तो यह अपने आप में गंभीर बात और सरकार के उद्देश्यों से विचलित करने वाली है। इनके फलने फूलने की राह में जो समस्याएं आ रही हैं, सरकार को उन्हें प्राथमिकता के साथ हल करना चाहिए। पहले जानकारी आई थी कि स्टार्ट अप्स के जरिए देश में 16 लाख से ज्यादा नौकरियां सृजित हुई हैं। यह सिलसिला आगे बढ़ता रहना चाहिए, क्योंकि रोजगार और नवाचार ही स्टार्ट अप्स की जान हैं तथा नए भारत का संकल्प भी है।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पहलगाम हमले से सन्न देश

निस्संदेह, पहलगाम के बायसरन घाटी हमले पर पूरा देश क्षुब्ध हैं। चुन-चुनकर 26 निहत्थे हिन्दू पर्यटकों की हत्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के अंदर जम्मू कश्मीर के स्पष्ट दिख रहे परिवर्तित हालात की दृष्टि से असामान्य और सन्न करने वाली घटना है। सन् 2000 के बाद पहलगाम क्षेत्र का यह सबसे बड़ा हमला है जिसमें 30 लोग मारे गए थे। पहलगाम जम्मू कश्मीर का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है और वहां से लगभग 10 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में पर्यटक पिकनिक मनाने आनंद लेने जाते हैं। हरियाली और पूरा वातावरण गर्मी में जम्मू कश्मीर जाने वाले पर्यटकों को खींचता है। कहने वाले इसे स्विट्जरलैंड का प्रतिरूप भी बताते हैं। लोग घुड़सवारियों से लेकर अलग-अलग किस्म का आनंद लेते हैं। ट्रैकिंग का एक कैंप साइड है जो तोलिया झील तक पर्यटकों को ले जाता है। पहलगाम से टट्टुओं के जरिए इस क्षेत्र तक पहुंचा जा सकता है और रास्ते में पहलगाम शहर और लीडर घाटी का मनोरम दृश्य है। वायसरन नमक घास का मैदान चारों ओर घने देवदार के जंगलों और पर्वतों से घिरा है। चूंकि जम्मू कश्मीर की स्थिति पिछले 5-6 वर्षों में काफी हद तक सामान्य हो गई है इसलिए भारी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ निर्भय होकर चारों ओर घूमते हैं। स्थानीय लोगों की दुकानें और अन्य कारोबार चल निकले हैं। यह घटना भी एक सामान्य चाय नाश्ते की दुकान पर हुई। इस तरह की दुकानें कश्मीर घाटी से नदारत हो गए थे। आतंकवादियों के लिए ऐसी जगह अंधाधुंध गोलीबारी कठिन नहीं है। घटना का विवरण और इसकी पृष्ठभूमि हमें कई बातों पर विचार करने के लिए बाध्य करता है। आखिर यह कौन सी सोच है जिसमें आतंकवादियों ने मजहब प्रमाणित करके लोगों को मारा?

प्रधानमंत्री मोदी ने घटना को इतनी गंभीरता से लिया कि सऊदी अरब की यात्रा बीच में रोक वापस लौटे, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ बैठक की तथा गृहमंत्री अमित शाह सीधे कश्मीर पहुंचे। इसके साथ गृह मंत्री शाह का घटनास्थल तक जाना आतंकवाद के विरुद्ध ही नहीं जम्मू कश्मीर को हर दृष्टि से सामान्य, शांत और समृद्ध बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। ऐसी भूमिका से लोगों को सुरक्षा का आश्वासन मिलता है तथा आतंकवादियों एवं उनको प्रायोजित करने वाली शक्तियों को सख्त संदेश। चूंकि यह घटना अमरनाथ यात्री निवास नुनवान बेस कैंप से महज 15 किमी. दूर हुआ और 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है तो यह मानने में भी समस्या नहीं है कि पर्यटकों के साथ तीर्थयात्रियों के अंदर भय पैदा करने के लिए हमला हुआ। इसके साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की यात्रा तथा प्रधानमंत्री की सऊदी अरब जैसे प्रमुख मुस्लिम देश के दौरे से भी इसका संबंध जोड़ा जा सकता है।

आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इसके बारे में जानकारी यही है कि जब पाकिस्तान पर आतंकवादी संगठनों को प्रतिबंधित करने और नियंत्रित करने का दबाव बढ़ा तो लश्कर ए तैयबा और अन्य संगठनों ने टीआरएफ नाम कर लिया। इसका प्रमुख शेख सज्जाद गुल पाकिस्तान में है। प्रधानमंत्री सऊदी अरब से लौटते समय पाकिस्तानी वायु मार्ग का

इस्तेमाल नहीं करते तथा साढ़े पांच घंटे लगाकर भारत आते हैं तो इसके निहितार्थ भी स्पष्ट हैं। सरकार को पाकिस्तान की भूमिका की सटीक सूचना नहीं होती तो ऐसा नहीं होता। जो जानकारी है उसके अनुसार आतंकवादी पाकिस्तान से निर्देश ले रहे थे। आंतरिक संकटों से ग्रस्त पाकिस्तान और छवि सुधारने के लिए संघर्षरत सेना-आईएसआई के पास एकमात्र रास्ता जम्मू कश्मीर ही बचता है। जिस तरह सेना का उपहास उड़ाया जा रहा है, लोग सेना के विरुद्ध सड़कों पर उतरे हैं, उसके भ्रष्टाचार और विफलता के विवरण मीडिया, सोशल मीडिया में सामने आए हैं उनसे सेना की चिंताएं बढ़ीं हुईं हैं। सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर का घृणाजनक और मुस्लिमों को भड़काने वाला भाषण इसी कड़ी का अंग था।

वस्तुतः जनरल मुनीर ने नए सिरे से इस्लामी जेहाद की बात की। उन्होंने कहा कि हिंदू और मुसलमान साथ नहीं रह सकते क्योंकि हम दो अलग कौम हैं। हमने पाकिस्तान के निर्माण के लिए लंबा संघर्ष किया है इसे मत भूलना। हालांकि सच यह है कि मुस्लिम लीग को पाकिस्तान निर्माण के लिए कोई आंदोलन नहीं करना पड़ा। उन्होंने जम्मू कश्मीर की चर्चा की। यह संकेत था कि सेना ने जम्मू कश्मीर में हिंसा करने की कुछ दीर्घकालीन तैयारियां की है। पाकिस्तान की आम जनता के विद्रोह से बचने के लिए यही एकमात्र रास्ता उनके पास बचा था। देश में जब भी आतंकवाद के संदर्भ में पाकिस्तान का नाम लिया जाता है कुछ लोग इसके विरुद्ध खड़े होते हैं और कहते हैं कि आर्थिक दृष्टि से विपन्न देश भारत के विरुद्ध हिंसा कैसे कर देगा। भूल जाते हैं कि हिंसा करने के लिए शक्तिशाली होना आवश्यक नहीं है। जम्मू कश्मीर में इस्लाम के नाम पर भड़काना और पहले से व्याप्त आतंकवादियों के इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल सक्रिय करना है। जनरल मुनीर ने यही किया है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कुछ दिनों पहले रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो भी शेयर हो रहा है, जिसमें एक आतंकवादी जनसभा में खुलेआम भारत को लहूलुहान करने की धमकी दे रहा है।

इनकी सोच और रणनीति देखिये। घायल पुणे की आसाबरी जगदाले बता रहीं हैं कि आतंकवादी आए तो उनका परिवार डर से टेंट के अंदर छिपा था। उन्होंने उनके 54 वर्षीय पिता संतोष जगदाले से कहा कि वे बाहर आकर कलमा पढ़ें और जब वे ऐसा नहीं कर पाए, तो उन्हें तीन बार गोली मारी। उनके चाचा को भी गोली मारी। एक महिला बता रही है कि मैं और मेरे पति भेल खा रहे थे तभी आतंकी आये और बोले कि ये मुस्लिम नहीं लग रहे, इन्हें मार दो और मेरे पति को गोली मार दी। वे मुस्लिम हैं या हिंदू यह जानने के लिए लोगों को नंगा किया गया। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद एवं अलगाववाद के पीछे सोच इसे इस्लामी राज्य में बदलना रहा है। इस्लाम के नाम पर ही आतंकवादी वहां अपनी जान देकर हमले करते रहे हैं। जनरल आसिफ मुनीर ने केवल इसे सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त कर दिया। सेना प्रमुख के बयान का अर्थ है कि लंबे समय से इस पर काम किया जा रहा था। आतंकवादियों की योजना यही है कि वह कश्मीर के स्थानीय मुस्लिम निवासियों को संदेश दें कि हम मुसलमान होकर आपके हैं और गैर मुसलमान हमारे साझा दुश्मन हैं।

हालांकि आतंकवादी संगठन, अलगाववादी तथा पाकिस्तान भूल रहा है कि भारत, जम्मू कश्मीर और वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय स्थितियां भी बदली हुई है। जम्मू कश्मीर के स्थानीय लोगों को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद बदली स्थिति का लाभ मिला है। वे खुलकर हवा में सांस लेने लगे हैं, बच्चे पढ़ने लगे हैं, खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं और सबसे बढ़कर विकास उनके घर तक पहुंच रहा है। पहले की तरह वहां आतंकवादियों से मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के विरुद्ध प्रदर्शन, पत्थरबाजी और नारा नहीं लगता। यह तो नहीं कह सकते कि आतंकवादियों का स्थानीय समर्थन बिल्कुल खत्म हो गया है क्योंकि ऐसा होने के बाद उनका वहां रहना मुश्किल हो जाता। सारे अनुभव, लोगों की प्रतिक्रियायें एवं खुफिया जानकारियां बतातीं हैं कि स्थिति पहले की तरह तो नहीं है। पुराने मंदिर एवं अन्य गैर मुस्लिम धर्मस्थल धीरे-धीरे खुले हैं। कभी पाकिस्तान को अमेरिका या कुछ यूरोपीय देशों की अंतरराष्ट्रीय नीति के कारण शह मिल जाता था किंतु अब वह अकेला है। अफगानिस्तान तक उसके विरुद्ध खड़ा है तथा अंदर बलूचिस्तान, सिंध, वजीरिस्तान आदि में विद्रोह का झंडा बुलंद है। ज्यादातर प्रमुख मुस्लिम देश भी पाकिस्तान का साथ देने को तैयार नहीं।

भारत की स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले 10 वर्षों में काफी बदली है और दो बार सीमा पार कार्रवाई करके प्रदर्शित भी किया गया है कि हम प्रायोजित आतंकवाद का मुंह तोड़ जवाब देने वाले देश बन चुके हैं। अमेरिका, रूस और यूरोपीय देश ही नहीं कई मुस्लिम देशों ने इस घटना में भारत के साथ होने का बयान दिया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी अगर दोषियों को बख्शे नहीं जाने की बात कर रहे हैं और अमित शाह मोर्चा संभाले हैं तो आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के लिए अब तक का सबसे बुरा समय होगा। देश के अंदर भी मोदी सरकार को बार-बार इस्लाम विरोधी और मुसलमान विरोधी बताने वाले समझें कि वे क्या कर रहे हैं। आतंकवादियों ने पुरुषों को मारकर महिलाओं को छोड़ते हुए कहा कि जाओ मोदी को बता दो क्योंकि वह हमारे मजहब का दुश्मन है।

सामयिक

संजीव शर्मा

(समाचार संपादक आकाशवाणी भोपाल)

बोझ से कराहते पहाड़ों को चाहिए राहत का मलहम !!

बढ़ती भीड़ से पहाड़ कराह रहे हैं और वाहनों की बेतहाशा संख्या उनका कलेजा छलनी कर रही है। फिर भी पर्यटक बेफिक्र हैं और पहाड़ों के पहरेदार यानि प्रशासन निश्चिंत। पहाड़ लगातार इशारा कर रहे हैं, खुलेआम संकेत दे रहे हैं और कई बार सीधी चेतावनी भी, फिर भी वीकेंड पर शिमला से लेकर मसूरी तक और मनाली से लेकर नैनीताल तक पर्यटकों और उनके वाहनों का जाम लगा है। एक घंटे का सफर 6 से 8 घंटों में हो रहा है। इसके बाद भी, पहाड़ों पर जाने वालों की संख्या घटने की बजाए लगातार बढ़ ही रही है।

यह स्थिति किसी एक पहाड़ी शहर या राज्य की नहीं है बल्कि देश के तमाम पर्वतीय राज्य लोगों और वाहनों की बेलगाम भीड़ से घायल हो रहे हैं। धूल, धुआं,कचरा,शोर और भीड़ का दबाव पहाड़ों का सीना घायल कर रहे हैं। वैसे, तो कमोवेश सभी पर्वतीय इलाकों का एक जैसा हाल है लेकिन शिमला जैसे शहर तो बर्बादी की कगार पर हैं। शिमला के हिमाचल प्रदेश की राजधानी और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल होने के कारण, पिछले कुछ दशकों में वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी गई है। इससे न केवल पर्यावरणीय संतुलन पर असर पड़ रहा है, बल्कि पहाड़ों की भौगोलिक संरचना और पारिस्थितिकी पर भी दबाव बढ़ रहा है।

शिमला हिमालय की दक्षिण-पश्चिमी श्रृंखलाओं में 2 हजार 206 मीटर अर्थात् 7 हजार 238 फीट की औसत ऊँचाई पर स्थित है। यह शहर सात पहाड़ियों पर बसा है और जाखू हिल यहां की सबसे ऊंची चोटी है। शिमला मूल रूप से ब्रिटिश काल में महज 25 हजार लोगों के लिए बनाया गया था, लेकिन आज यहाँ लगभग ढाई लाख लोग रहते हैं। इसके फलस्वरूप मानवीय उपस्थिति के साथ तमाम संसाधनों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है।

शिमला जिले की आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार, करीब 8 लाख 14 हजार थी, और 2025 तक इसके 9 लाख के करीब होने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 2019 में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार शिमला शहर में रोजाना चलने वाले वाहनों की संख्या 2005 में 66 हजार 617 से बढ़कर 2019 तक 1 लाख 65 हजार से ज्यादा हो गई थी। यह वृद्धि लगभग 2.5 गुना है। यदि इस बढ़ोत्तरी के हिसाब से अनुमान लगाया जाए और स्थानीय लोगों की जानकारी पर भरोसा किया जाए तो इस साल तक शिमला शहर में पंजीकृत वाहनों की संख्या करीब एक लाख और पूरे जिले में पंजीकृत वाहनों की संख्या करीब ढाई लाख तक हो सकती है। नियमित तौर पर आने वाले पर्यटक वाहनों को मिलाकर यह आंकड़ा 3 लाख तक जा सकता है।

आंकड़ों के अनुसार शिमला जिले में सालाना करीब 2 करोड़ पर्यटक आते हैं और इनमें से कई अपने वाहन लेकर आते हैं। एक अन्य अनुमान के अनुसार पर्यटन सीजन के दौरान महज 10 दिनों में 55,000-60,000 वाहन शिमला आ जाते हैं तो साल भर में यह संख्या लाखों में हो सकती है। हालांकि, ये वाहन स्थायी रूप से पंजीकृत नहीं हैं, लेकिन सड़कों पर बोझ बढ़ाते हैं।

हाल ही में अपनी शिमला यात्रा के दौरान मैंने खुद यह महसूस किया कि वाहनों के दबाव बढ़ने के कारणों में एक प्रमुख कारण शिमला का पहाड़ी क्षेत्र होना भी है इसलिए यहाँ की सड़कें तीखी चढ़ाई वाली हैं। शिमला की सड़कें, विशेष रूप से शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में, कई जगहों पर 15 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक की चढ़ाई हैं। कुछ खास सड़कें, जैसे कि मॉल रोड से जाखू मंदिर या अन्य ऊँचे इलाकों तक जाने वाली सड़कें, काफी खड़ी हैं। सड़कों के संदर्भ में, यह वाहनों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, खासकर भारी वाहनों या कम शक्तिशाली इंजन वाले वाहनों के लिए तो यह वाकई पहाड़ चढ़ना ही होता है।

इतना ही नहीं, शिमला जिला भूकंपीय जोन IV में आता है, जो उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। वाहनों की लगातार आवाजाही से होने वाले वाइब्रेशंस से पहाड़ों की पहले से कमजोर भूगर्भीय संरचना और अस्थिर हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क यातायात के कारण होने वाला कंपन भूस्खलन के खतरे को बढ़ाता है। 2023 में शिमला में हुए भूस्खलन जैसे मामले बताते हैं कि अत्यधिक वर्षा के साथ-साथ मानवीय गतिविधियाँ, जैसे सड़क निर्माण और यातायात इस खतरे को बढ़ा रहे हैं।

अध्ययनों से यह भी पता चला हैं कि वाहनों से निकलने वाला धुआँ और कार्बन उत्सर्जन हवा की गुणवत्ता को खराब कर रहा है। हिमाचल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, पर्यटन सीजन में शिमला में हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है। उत्सर्जन से निकलने वाली ब्लैक कार्बन बर्फ और ग्लेशियरों की सतह को काला कर देती है, जिससे सूरज की गर्मी अधिक अवशोषित होती है और बर्फ तेजी से पिघलती है। यह हिमालयी पारिस्थितिकी के लिए खतरा है।

बढ़ते वाहनों को संभालने के लिए सड़कों का चौड़ीकरण और नई सड़कें बनाई जा रही हैं, जैसे शिमला-चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे। इसके लिए पहाड़ों को काटा जा रहा है और जंगल साफ किए जा रहे हैं, जिससे मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है और पहाड़ कमजोर हो रहे हैं। भारी यातायात और सड़क निर्माण से प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था बाधित हो रही है। पानी पहाड़ों में रिसता है, जिससे उनकी स्थिरता कम होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अनियोजित निर्माण और ट्रैफिक इसका कारण है।

हालांकि,पहाड़ों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए सरकार ने सरकारी वाहनों को इलेक्ट्रिक करने की योजना बनाई है। इसी तरह शिमला में मल्टी-स्टोरी पार्किंग बनाई गई है। अब जरूरत इस बात की है कि इसे और इसकी तरह की अन्य पार्किंग के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए। बेहतर बस सेवाएँ भी निजी कारों का संख्या को कम कर सकती हैं। इसके अलावा, सरकार रिज जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को नो-व्हीकल जोन बनाकर मुसीबत को कम कर सकती है।

कुल मिलाकर शिमला में वाहनों की बढ़ती संख्या और जनसंख्या को तत्काल रोकना जरूरी है अन्यथा पहाड़ों पर दबाव बढ़ता जाएगा। यह भूस्खलन, प्रदूषण, वन कटाई और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को और तीव्र कर रहा है। अगर इसे नियंत्रित न किया गया, तो शिमला की प्राकृतिक सुंदरता और स्थिरता खतरे में पड़ जाएगी।

गांव की सड़कों पर भैंसों का बाईपास

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

गांव के प्रवेश पर बोर्ड चमक रहा था - 'भैंसों के लिए बाईपास उपलब्ध।' यह वही गांव था, जहां कभी सड़कें भैंसों की रफ्तार के हिसाब से बनती थीं, और ट्रक उनकी कृपा से चलता था। गांव वालों ने सोचा, 'भैंसों की संख्या सड़क पर बढ़ने लगी है, कुछ करना होगा। जनता का रास्ता भी कोई चीज़ है।' तब तक भैंसों ने अपने साम्राज्य का ऐलान कर दिया। 'हमारे बिना सड़कें सूनी हैं, ट्रैफिक सुस्त है। हमारे धैर्य से सड़कें तनावरहित होती हैं। तो हमारी प्रजा को बाईपास चाहिए।'

सरपंच जी ने पंचायत में मुद्दा उठाया। भैंसों का दल, गाड़ियों का दल और 'निर्दलीय कुत्तों' ने साथ में चर्चा की। नतीजा निकला - भैंसों के लिए बाईपास। नया निर्माण हुआ, पर भैंसों ने इसे अपनाने से इनकार कर दिया। 'बाईपास में कोई रोमांच नहीं, शहर के बीच से जाना हमारी संस्कृति है। यह हमारी परंपरा के खिलाफ है।'

गांव की गाड़ियों ने जवाबी हमला किया। 'भैंसों को तुरंत बाईपास भेजें, वरना गांव में गाड़ियों का हड़ताल होगा। हमारी पीठ दर्द कर रही है, और हमारी गियर बॉक्स अब काम नहीं कर रहा।' भैंसों ने अपना स्टैंड बनाए रखा। 'हम तो गांव की सड़कों की शोभा हैं। हमारी आवाजाही बिना आपकी गाड़ियां बोरिंग हो जाएगी।'

सरपंच ने मध्यस्थता की। 'भैंसों के बाईपास पर दौड़ाने के लिए मुफ्त घास उपलब्ध कराएंगे। बाईपास को 'भैंस मनोरंजन पार्क' घोषित करेंगे। गांव का युवा वहां सेल्फी ले सकेगा।' भैंस दल ने संशोधित बाईपास स्वीकारा। लेकिन समस्या अब गांव के लोगों की हो गई। 'हमारे सेल्फी स्पॉट पर तो भैंसे कब्जा कर लेंगी। हमारी लाइक बढ़ाने वाली तस्वीरें कहां जाएंगी?'

गांव का माहौल गर्म हो गया। 'भैंसों के लिए बाईपास? गाड़ियों को दूसरा रास्ता चाहिए! भैंस मनोरंजन पार्क से गाड़ियों की भीड़ हटाओ। हम जहां जाएं, भैंस वहां नहीं आ सकतीं।' भैंसों ने 'भैंस मुक्त पार्किंग क्षेत्र' की मांग रख दी। गांव वालों ने कोर्ट में अपील की, और कोर्ट ने फैसला सुनाया- 'भैंसों का अधिकार सुरक्षित है। लेकिन सड़क पर शांतिपूर्ण सह-जीवन जरूरी है।'

सरपंच ने बीच का रास्ता निकाला। 'सड़कों पर भैंसों के लिए फास्ट लेन और गाड़ियों के लिए धीमा लेन होगा। भैंसों के मनोरंजन पार्क में गाड़ियों के प्रवेश शुल्क लगाएंगे, जिससे मुआवजा भरा जा सके।' लेकिन अब गांव के कुत्ते, जो निर्लिप्त थे, भैंसों के बाईपास पर दौड़ते नजर आए। 'हम तो मनोरंजन का हिस्सा बनना चाहते हैं।'

गांव के बुद्धिजीवी ने नोट किया - 'यह इतिहास का पहला गांव है, जहां भैंसों को बाईपास मिला, गाड़ियां मंद गति पर आईं, और कुत्तों ने नया धंधा शुरू किया। यह गांव अब 'भैंसों का स्वर्ग' कहलाएगा।'

कई सालों बाद, भैंसों का दल कोर्ट में दावा करता नजर आया- 'भैंसों को बाईपास देना हमारी आजादी पर प्रहार था। हम क्रांति चाहते हैं।' और गाड़ियों ने जवाब दिया- 'तुम्हारी क्रांति में हमारी साइलेंसरों का बलिदान मत मांगो। हम तो सड़क के गुलाम हैं। यही गांव अब विज्ञापन बोर्डों से भरा हुआ है- 'भैंसों का बाईपास- अब जनता के लिए खुला। टिकट लेकर घास खाएं।' गांव का विकास भैंसों के रफ्तार से चल रहा है, लेकिन दिलों में खलिश कायम है। भैंसों और गाड़ियों का संग्राम अब सिर्फ सूर्खियों में नहीं, लोगों के दिलों में भी चलता रहता है। हृदय से निकली आहें ही गांव की पहचान बन गई हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

निर्मल आनंद

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सोना कितना शोना है

सोने की वैल्यू उस कुंभकर्ण से बेहतर कौन समझ सकता है, जिसे जगाने के लिए जरूरी शोर के डेसिबल पर रिसर्च हो सकती है। सोने की लंका में रहनेवाले कुंभकर्ण को गहरी नींद में लंबे समय तक सोना पसंद था। कुंभकर्ण के सोने से इतर लंका का सोना कनक कनक ते सौ गुनी अधिक मादकता वाला था जिसे पाकर, बकौल बिहारी लाल, लोग बौरा जाते हैं। एक कवि ने 'आराम बड़ी चीज है, मुँह ढँक के सोइए' की सीख दी तो दूसरे शायर ने 'किस-किस का गिला कीजिए, किस-किस पे रोइए' कहकर सोने के अभिन्न अंग आराम की प्रशंसा में चार चाँद लगा दिए। मसला सोने का है सो नींद और महिलाओं के जीत की हार वाले सोने में भ्रमित हो जाना स्वाभाविक है। कुंभकर्ण इन दोनों सोने पर समान अधिकार रखता था। खर्राटों की फौज के पहरे में रहनेवाले सोने का मापन मिनटों, घंटों, दिनों, महीनों, सालों या युगों में होता है। मुचकुंद की याद करिए, जिसने दैत्यों और देवताओं के युद्ध में देवों का साथ देने के बदले उनसे युगों तक निर्बाध सोने का वरदान और जगानेवाले को अपने दृष्टिपात से भस्म कर सकने की शक्ति प्राप्त कर ली थी। मुचकुंद के इसी वरदान का सहारा लेकर श्रीकृष्ण ने कालयवन को मौत के घाट उतारा था। चाँदी के साथ जुगलबंदी करनेवाले सोने की तौल, तोला से ग्राम तक पहुँच गई है। सोने की वजनदारी देखिए, छोटे से 'ग्राम' ने बड़े 'लाख' साहब की बराबरी कर ली। क्या बढ़िया गुटबंदी है!

जनाब कतील शिफाई ने सालों पहले चाँदी जैसे रंग और सोने जैसे बालों वाली गोरी को धनवान घोषित कर दिया था। जिसकी अलकें सोने की हों, उसकी अमीरी में गंजों के अलावा किसे शक हो सकता है भला? गनीमत है महिलाएँ गंजी नहीं होतीं और पुरुषों की जुल्फों में सोना होने की पुष्टि किसी कवि ने नहीं की। हाँ, सुनहरे बालों को देखकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए, वे स्वर्ण-मृग की भाँति छलावा हो सकते हैं।

सोना-जागना और सोना-चाँदी शब्दों के युग्म की खासियत देखिए। सोना आया और जागना शुरू। बेशकीमती वस्तु पास में हो तो नींद उड़ ही जाती है। दूसरी ओर अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक छह से आठ घंटे सोना शुरू करते ही तन-मन की चाँदी हो जाती है।

केवल सड़क वाले 'स' से शुरू होनेवाला सोना ही नहीं, शक्कर वाले 'श' से बना शोना भी बहुत प्यारा होता है। मोहब्बत करनेवाले लड़का-लड़की आपस में और माता-पिता अपने बच्चों को 'शोना' कहकर दुलारते मिल जाएँगे। श्रेष्ठता को मौका मिले तो वह धातुओं में स्वयं को सोना बताएगी। आभा को उत्कृष्टता स्वर्णिम बनकर प्राप्त होगी। हिंदू आख्यानों में जम्बूनद में सोना बहने का उल्लेख मिल जाता है। प्राचीन काल से ही सनातन सभ्यता में महिलाएँ सुहाग चिन्ह के रूप में सोने के छोटे बड़े आभूषण धारण करती आ रही हैं। होम्योपैथी में एक दवा है, ऑरम मेटालिकम। यह सोने की धातु का नाम है। इस औषधि को सोने से तैयार किया जाता है। नकारात्मक विचारों से उत्पन्न व्याधियों से निजात पाने के लिए यह दवा उपयोगी होती है। सोचकर देखिए, सोना पास में हो तो कोई निगेटिविटी आसपास फटक सकती है क्या? हजारों साल पहले भर्तृहरि कह चुके हैं, 'सर्वे गुणाः कांचनमाश्रयन्ते', (सारे गुण कंचन यानी धन में बसते हैं।) व्यंग्य का पुट लिए हुए कही गई बात में सदुण और अवगुण दोनों शामिल हैं। उस यूनानी पौराणिक कथा को याद करिए जिसमें मिडास ने देवता से वरदान प्राप्त कर लिया कि वह जिसे छू लेगा वह सोने की हो जाएगी। तरह तरह की वस्तुओं को कंचन में बदलनेवाले मिडास ने भूख मिटाने के लिए रोटी पकड़ी तो वह सोने की हो गई। इतना ही नहीं, मिडास की बेटी उसके गले से लगी तो सोने की बन गई। वह जिसे छूता, सोने का हो जाता। सोने की लालच ने वरदान को अभिशाप बना दिया था। लोहे को सोने में बदल देनेवाले पारस पत्थर के दीवाने पूरी दुनिया में पाए जाते हैं।

सर्वे करना दिलचस्प हो सकता है कि देखते देखते इस सोने ने कितनों को लखपति बना दिया? भारत देश सोने की चिड़िया यूँ ही नहीं कहलाता। यहां के अमीर गरीब सभी सोने का कोई न कोई गहना अपने पास रखने का प्रयास करते हैं। स्वर्णाभूषणों की नख से शिख तक श्रृंगार की भारतीय परंपरा न केवल प्राचीन है अपितु लाजवाब है। फिर भी सोने के भंडार को लेकर हिंदुस्तान दसवें स्थान पर है। टॉप पर अमेरिका है। बहरहाल, अब केवल नाक, कान, उंगली या गले में सोना पहनना भी बड़ी बात तो मानी ही जानी चाहिए।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

संदीप सृजन

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

मानव रचनात्मकता और नवाचार का आधार

बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, क्योंकि यह रचनाकारों को प्रोत्साहन और संरक्षण प्रदान करती है। बौद्धिक संपदा रचनाकारों को उनकी रचनाओं के लिए आर्थिक और सामाजिक पुरस्कार प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, एक वैज्ञानिक जो नई दवा का पेटेंट प्राप्त करता है, वह उसका व्यावसायिक उपयोग करके लाभ कमा सकता है। यह प्रोत्साहन दूसरों को भी नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करता है। बौद्धिक संपदा नवाचार में निवेश को आकर्षित करती है। कंपनियाँ और व्यक्ति अनुसंधान और विकास (R&D) में निवेश करने के लिए तैयार होते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी रचनाएँ कानूनी रूप से संरक्षित होंगी। पेटेंट और कॉपीराइट जैसे तंत्र रचनाओं को सार्वजनिक करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए, पेटेंट आवेदन में आविष्कार का विवरण सार्वजनिक होता है, जिससे अन्य लोग उससे प्रेरणा ले सकते हैं।

बौद्धिक संपदा मानव बुद्धि की वह रचनात्मक शक्ति है जो विचारों, आविष्कारों, कला, साहित्य और तकनीकी नवाचारों के रूप में प्रकट होती है। यह न केवल रचनाकारों को उनकी रचनाओं के लिए मान्यता और आर्थिक लाभ प्रदान करती है, बल्कि समाज को प्रगति और विकास के नए रास्ते भी दिखाती है। बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, क्योंकि यह रचनाकारों को उनकी मेहनत का फल प्राप्त करने का अवसर देती है और दूसरों को प्रेरित करती है कि वे भी कुछ नया और मूल सृजन करें।

बौद्धिक संपदा मानव मस्तिष्क की रचनात्मकता का वह परिणाम है जो कानूनी रूप से संरक्षित होता है। यह रचनाकार को अपनी रचना पर विशेष अधिकार प्रदान करता है, जिससे वह इसका उपयोग, वितरण और लाभ प्राप्त कर सकता है। जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, डिजाइन और फार्मुलें को रजिस्टर्ड करवा कर अपनी बौद्धिक संपदा पर विशेष अधिकार प्राप्त किया जा सकता है।

बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, क्योंकि यह रचनाकारों को प्रोत्साहन और संरक्षण प्रदान करती है। बौद्धिक संपदा रचनाकारों को उनकी रचनाओं के लिए आर्थिक और सामाजिक पुरस्कार प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, एक वैज्ञानिक जो नई दवा का पेटेंट प्राप्त करता है, वह उसका व्यावसायिक उपयोग करके लाभ कमा सकता है। यह प्रोत्साहन दूसरों को भी नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करता है। बौद्धिक संपदा नवाचार में निवेश को आकर्षित करती है। कंपनियाँ और व्यक्ति अनुसंधान और विकास (R&D) में निवेश करने के लिए तैयार होते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी रचनाएँ कानूनी रूप से संरक्षित होंगी। पेटेंट और कॉपीराइट जैसे तंत्र रचनाओं को सार्वजनिक करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए, पेटेंट आवेदन में आविष्कार का विवरण सार्वजनिक होता है, जिससे अन्य लोग उससे प्रेरणा ले सकते हैं। बौद्धिक संपदा कंपनियों को बेहतर उत्पाद और सेवाएँ विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। ट्रेडमार्क और ब्रांड पहचान उपभोक्ताओं को गुणवत्ता का आश्वासन देती है, जिससे बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है। कॉपीराइट के माध्यम से साहित्य, कला और संगीत को संरक्षित करके बौद्धिक संपदा सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखती है और नए रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करती है।

बौद्धिक संपदा आधुनिक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। बौद्धिक संपदा आधारित उद्योग, जैसे प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, और मनोरंजन, लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। पेटेंट और ट्रेडमार्क द्वारा संरक्षित उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिससे निर्यात बढ़ता है। बौद्धिक संपदा नवाचार को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को ज्ञान-आधारित बनाती है, जो दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक है। भारत में सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्र बौद्धिक संपदा के उपयोग के कारण वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। भारतीय कंपनियाँ पेटेंट और ट्रेडमार्क के माध्यम से अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं। जो कि बौद्धिक संपदा का सटीक उदाहरण है।

हालांकि बौद्धिक संपदा नवाचार का आधार है, इसके उपयोग में कई चुनौतियाँ भी हैं। बौद्धिक संपदा का अनधिकृत उपयोग, जैसे कि सॉफ्टवेयर पायरेसी, नकली उत्पाद, और कॉपीराइट उल्लंघन, रचनाकारों को आर्थिक नुकसान पहुँचाता है। वैश्विक स्तर पर पायरेसी के कारण अरबों डॉलर का नुकसान होता है।दूसरों के विचारों को बिना श्रेय दिए उपयोग करना (प्लैजियारिज्म) नैतिकता के सवाल उठाता है। यह रचनात्मकता को हतोत्साहित कर सकता है। कुछ मामलों में, बौद्धिक संपदा का अति-संरक्षण नवाचार में बाधा बन सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई पेटेंट बहुत व्यापक हो, तो अन्य लोग उस क्षेत्र में अनुसंधान करने से बच सकते हैं। विकसित देशों में कड़े बौद्धिक संपदा कानून विकासशील देशों के लिए दवाओं, प्रौद्योगिकी और शिक्षा तक पहुँच को सीमित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, महँगी दवाओं के पेटेंट के कारण गरीब देशों में उपचार की उपलब्धता कम हो सकती है। बौद्धिक संपदा के उल्लंघन से निपटने के लिए कानूनी प्रक्रियाएँ महँगी और समय लेने वाली होती हैं, जो छोटे रचनाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

बौद्धिक संपदा का उपयोग करते समय कुछ उपाय अपनाए जाने चाहिए। व्यक्तियों और संगठनों को बौद्धिक संपदा के प्रकार और कानूनों के बारे में शिक्षित करना महत्वपूर्ण है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में इसके महत्व पर पाठ्यक्रम शामिल किए जा सकते हैं। दूसरों की रचनाओं का उपयोग करते समय अनुमति लेना और श्रेय देना नैतिकता का हिस्सा है। उदाहरण के लिए, किसी लेखक के उद्धरण का उपयोग करते समय उचित सन्दर्भ देना चाहिए। बौद्धिक संपदा के उपयोग से पहले संबंधित कानूनों की जाँच करें। पेटेंट, कॉपीराइट या ट्रेडमार्क के उल्लंघन से बचने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श लें। रचनाकारों को अपनी रचनाओं को पंजीकृत करना चाहिए, जैसे कि पेटेंट या कॉपीराइट के लिए आवेदन करना। गोपनीय जानकारी को ट्रेड सीक्रेट के रूप में संरक्षित करने के लिए गैर-प्रकटीकरण समझौतों का उपयोग करें। डिजिटल राइट्स मैनेजमेंट और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों का उपयोग करके बौद्धिक संपदा को सुरक्षित किया जा सकता है।

भारत में बौद्धिक संपदा के संरक्षण और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा नीति (2016) लागू की गई है। भारत विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) का सदस्य है और पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन से संबंधित कानूनों को लागू करता है। फिर भी, जागरूकता की कमी, पायरेसी और कानूनी प्रवर्तन में कमियाँ जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं। सरकार ने पेटेंट आवेदनों की प्रक्रिया को तेज करने और जागरूकता अभियान चलाने जैसे कदम उठाए हैं।

बौद्धिक संपदा मानव रचनात्मकता और नवाचार का आधार है। यह रचनाकारों को प्रोत्साहन, संरक्षण और पुरस्कार प्रदान करती है, साथ ही समाज को प्रगति के नए अवसर देती है। यह आर्थिक विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है। हालांकि, इसके उपयोग में उल्लंघन, नैतिक मुद्दे और वैश्विक असमानता जैसी चुनौतियाँ हैं। जागरूकता, नैतिकता, कानूनी अनुपालन और प्रौद्योगिकी के उपयोग से बौद्धिक संपदा का जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। भारत जैसे देशों में बौद्धिक संपदा के संरक्षण और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत सुधार और शिक्षा की आवश्यकता है। यदि बौद्धिक संपदा का उपयोग सोच-समझकर किया जाए, तो यह न केवल व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि वैश्विक नवाचार को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

पुस्तक चर्चा

मेधा झा

समीक्षक

तुम्हारी आवाज: प्रेम का भावपूर्ण दस्तावेज

कुछ दिनों पूर्व कार्यालय से घर पहुंचते ही एक छोटी सी पुस्तक को अपनी प्रतीक्षा करते पाया। आदतन मुखपृष्ठ को ध्यान से देखा तो प्रतीत हुआ- काव्य पुस्तक का नाम एवं मुखपृष्ठ अंदर लिखी गई कविताओं का स्वतः परिचय दे रहे थे। दो मध्य वय के युगल हाथ थामे अनंत पथ पर बढ़े जा रहे हैं और उनका मार्गदर्शन कर रही है 'कोई आवाज'।

47 कविताओं से सजी यह क्षीण काय पुस्तिका पढ़ने को आकृष्ट करती है। प्रेम मानव का सहज धर्म रहा है। कवि ने अपनी बात में यह स्वीकारा भी है कि यहां उन्होंने व्यक्तिगत प्रेम को अभिव्यक्त किया है। लेकिन उनका यह व्यक्तिगत प्रेम, एक ऐसी अनुभूति है जिससे हर संवेदनशील इंसान कभी न कभी गुजर चुका होता है।

पहली कविता 'तुम्हारी आवाज', पढ़ते ही आत्मीयता से हृदय में घर बनाती है और हमें मोह के धागों में बांधती है। अगली कविता पढ़ते हुए वह मोह और मजबूत होकर मन को चारों तरफ से घेर लेता है, जब कवि कहते हैं -

'अब नहीं निकलता यहां चाँद/न खिलते हैं फूल/ आज ये जाना कि/ ये सब तुमसे था।'

फिर अगली कविता हर मन के प्रतीक्षा में सोए भावों को अचानक से छेड़ जाती है और मन स्वयं के सामने स्वीकारता है -

'कोई देखे तुम्हें आँख भर/ किसी के कान सुनें तुम्हारी धड़कन/ कोई चाहता हो हर मास मधुमास/ चाहती तो होगी तुम भी।'

कई कविताएं ठहर कर दुबारा पढ़ने को बाध्य करती हैं -

'पहली बार फूटे होंगे/ बाँसुरी में स्वर/ कितना कुछ हुआ होगा पहली बार/ जब किया गया होगा/ पहली बार धरती पर प्यार/'

प्रेम की अदम्य अनुभूति से भरी एक-एक कविता हृदय में उतरती चले जाती है और स्नेहिल मधुर प्रेम के होने का विश्वास जगा जाती है। 'मैं तुम्हारे पास नहीं/ तुम्हारे एकांत में रहना चाहता हूँ....'

या फिर कवि खुद के लौटने की अनुभूति को लिखते हैं -

'तुम्हारा मेरे जीवन में फिर से लौटना/ लौटना था जैसे/ मेरा ही खुद में लौटना...'

अलंकारों का सुंदर प्रयोग कविताओं में चार चाँद लगाता है। 'तुम्हारे न होने से' कविता में मानवीकरण का सुंदर प्रयोग दिखता है और मन वाह कह उठता है।

'सूरज हो गया बीमार/पीली पड़ गई उसकी धूप/
चाँद की रोशनी हो गई ऐसी/ जैसे किसी ने मिला दिया हो दूध में पानी...'

छोटी- छोटी बातों का शिद्दत से उल्लेख दैनिक जीवन में प्रेम की निरंतर उपस्थिति को दर्शाता है। जिसमें बेस्वाद चाय की तारीफ से लेकर, साथी के टीवी देखने आते ही रिमोट बढ़ा देना या कभी कभार पानी पूरी लाना तक शामिल है।

फिर दृष्टि 'देखना' कविता पर ठहरती है और दिखता है प्रेम का वही आदिम स्वरूप, जो कल भी शाश्वत था, आज भी है और कल भी रहेगा -

'तुम्हें देखना/ केवल तुम्हें देखना नहीं था/ एक पूरी दुनिया को देखना था/ जहां लहलहा रही थी खुशियों की फसल/ कोई लगा रहा था फूलों को गुलाल...'

पूरी की पूरी काव्य पुस्तिका, प्रेम का सुंदर दस्तावेज प्रतीत होती है, जिसे बार-बार पढ़ने की इच्छा होती है। कवि को पहले भी पढ़ने का मौका मिला है, लेकिन 'तुम्हारी आवाज पढ़ते हुए उनका कवि रूप एक अलग ही रूप में दिखता है, जहां मन से वे किशोर हैं और कविताओं में पर्याप्त प्रौढता दिखती है और उनकी यही विशेषता पाठकों के मन में हमेशा के लिए अंकित हो जाती हैं।

पुस्तक- कविता संग्रह तुम्हारी आवाज
कवि- रामस्वरूप दीक्षित
प्रकाशक- भावना प्रकाशन, दिल्ली
मूल्य- 195

सर चेट्टूर शंकरन नायर की ऐतिहासिक भूमिका और विरासत

अरूण कुमार डनायक

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाजसेवी हैं)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा में कई ऐसे नायक हुए हैं, जिनकी भूमिका भले ही उतनी चर्चित न हो, पर जिनका योगदान राष्ट्र की आत्मा में अमिट रूप से दर्ज है। ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे सर चेट्टूर शंकरन नायर – एक प्रखर वकील, न्यायप्रिय न्यायविद्, समाज सुधारक, और स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक योद्धा।

शंकरन नायर का जन्म 11 जुलाई 1857 को केरल के पलक्कड ज़िले में हुआ। उनके व्यक्तित्व में शुरू से ही बौद्धिक गहराई, नैतिक संबल और सामाजिक न्याय के प्रति गहन प्रतिबद्धता थी। उन्होंने अपने जीवन के आरंभिक वर्षों में विधि और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे मद्रास रिव्यू, मद्रास लॉ जनरल तथा मद्रास स्टैण्डर्ड जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशनों के संपादक रहे, जहाँ से उनके विचारों ने समाज को झकझोरा।

शंकरन नायर को मद्रास उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने न्याय के प्रति अपने अडिग निष्ठा से ख्याति प्राप्त की। 1897 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए और 1915 में वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् में शामिल होकर शिक्षा मंत्री का दायित्व निभाया। ब्रिटिश शासन का हिस्सा रहते हुए भी, उन्होंने कभी अपनी देशभक्ति या नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं किया। उनकी राष्ट्रवादी विचारधारा उदारवादी और सुधारवादी थी।

6 फरवरी 1919 को केंद्रीय असेंबली में रोलेट एक्ट पर चर्चा के दौरान उन्होंने वायसराय कौंसिल के सदस्य होने के नाते इस काले कानून का समर्थन किया। इस क़ानून ने नागरिकों के बचे खुचे अधिकार भी छीन लिए और ब्रिटिश हुकूमत को, बिना कारण बताये, बिना मुकदमा चलाये किसी भी भारतीय को जेल में बंद कर देने के अधिकार मिल गए। महात्मा गांधी के आह्वान पर देश भर में इसका विरोध शुरू हो गया। पंजाब में हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल के नेतृत्व में इसका सबसे तीव्र विरोध हुआ और 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग की नृशंस घटना घटी। इस वीभत्स नरसंहार और ब्रिटिश सरकार द्वारा जनरल डायर व लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकेल ओ डायर की रक्षा के प्रयासों से शंकरन नायर की अंतरात्मा विचलित हो उठी। उन्होंने जुलाई 1919 में वायसराय काउंसिल से इस्तीफा दे दिया और ब्रिटिश सरकार की खुलकर आलोचना शुरू कर दी। समय समय पर गांधीजी भी उनके वक्तव्यों की ओर आकर्षित हुए। नायर ने खेडा व चंपारण आन्दोलन को लेकर वक्तव्य दिए और तत्कालीन शासन प्रणाली को अत्याचारी बताते हुए कांग्रेस के नेतृत्व में शिक्षित भारतीयों के प्रयासों की सराहना की, जिसे गांधीजी ने यंग इंडिया के अगस्त 1919 के अंकों में विस्तार से प्रकाशित किया।

ब्रिटिश सरकार के साथ गतिरोध दूर करने के

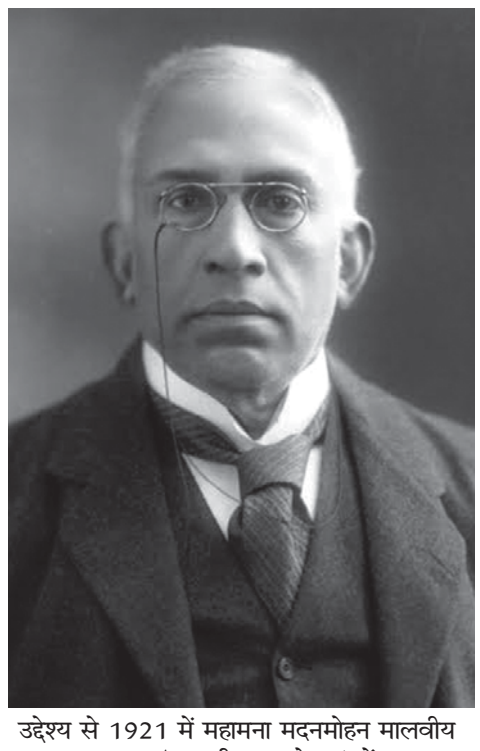

उद्देश्य से 1921 में महामना मदनमोहन मालवीय द्वारा बुलाए गए 'मालवीय सम्मेलन' में नायर अध्यक्ष बनाए गए, लेकिन गांधीजी की कठोर शर्तों – जैसे जनरल डायर के खिलाफ कार्रवाई और असहयोगियों व मुस्लिम नेताओं की रिहाई – से वे सहमत नहीं थे। अंततः उन्होंने सम्मेलन की अध्यक्षता से त्यागपत्र दे दिया। और गांधीजी के अड़ियल रुख को लेकर कुछ अखबारों में लेख लिखे। गांधीजी ने उनके आरोपों का उत्तर ' यंग इंडिया' में दिया और उनके त्यागपत्र को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि 'यदि वे एक वर्ष पहले त्यागपत्र दे देते तो खलबली मच जाती, लोग उन्हें मनाने दौड़ पड़ते पर अब तो राष्ट्र स्वतंत्रता प्रिय हो गया है।'

हालाँकि शंकरन नायर राष्ट्रवादी थे, परंतु उनकी विचारधारा गांधीजी की तरह प्रतिकारमूलक नहीं थी। वे मिन्टो मार्ले के सुधार प्रस्तावों व संवैधानिक प्रक्रियाओं के जरिये भारतीयों की दशा सुधारने के पक्षधर थे।7 सर नायर ने गांधीजी की नीतियों की वैचारिक समीक्षा करते हुए Gandhi and Anarchy नामक पुस्तक लिखी, जिसमें हिन्द स्वराज , असहयोग आंदोलन, एक वर्ष के अन्दर स्वराज के वादे और खिलाफत आन्दोलन का समर्थन व हिंसा में विश्वास रखने वाले मुसलमानों के साथ गांधीजी की मैत्रीपूर्ण नीतियों पर गंभीर प्रश्न उठाए। इस पुस्तक ने न केवल तीव्र बहस को जन्म दिया बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के भीतर मतभेदों की गहराई को भी उजागर किया।

शंकरन नायर ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए ब्रिटिश सरकार को कानूनी चुनौती दी। यद्यपि डायर को बचा लिया गया, फिर भी उनके साहसिक प्रयासों की गांधीजी ने स्वयं यंग इंडिया (12 जून 1924) में मुक्त कंठ से सराहना की।

24 अप्रैल 1934 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनका जीवन आज भी उन सभी के लिए प्रेरणा है जो अन्याय के विरुद्ध न्याय और नैतिकता के बल पर संघर्ष करना चाहते हैं। वे उन दुर्लभ नायकों में से एक थे जिन्होंने कलम और न्याय को हथियार बनाकर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध लड़ाई लड़ी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. अंबेडकर जयंती के अवसर पर सर नायर को याद करते हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919) के खिलाफ ब्रिटिश शासन को चुनौती देने और ब्रिटिश हुकूमत की नौकरी से त्यागपत्र देकर अंग्रेजों के - खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए उनके साहस की सराहना की। हमारे स्वतंत्रता आन्दोलन के महान नेतृत्वकर्ताओं में भले चाहे कितने भी वैचारिक मतभेद रहें हों लेकिन सभी ने एक दूसरे की राष्ट्रभक्ति का भरपूर सम्मान किया। अतः यह आवश्यक है कि स्वतंत्रचेता नायकों के योगदान का उपयोग समकालीन राजनीति में विभाजन की रेखाएँ खींचने के लिए न किया जाए।

फिल्म केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग में शंकरन नायर के जीवन और उनके अदम्य साहस के एक पक्ष को चित्रित किया गया है। सर चेट्टूर शंकरन नायर एक ऐसे राष्ट्रवादी थे जो न तो भीड़ के पीछे चले, न ही सुविधाजनक चुप्पी साधी। उन्होंने अपने विवेक, न्यायबुद्धि और नैतिक शक्ति से साम्राज्यवादी व्यवस्था को चुनौती दी। उनका योगदान स्वतंत्र भारत की नींव में ईंट की तरह मौजूद है - दृढ़, मौन, पर अडिग।

सिंचाई विभाग ने पट्टे पर दी बांधों की 200 एकड़ भूमि

जिले के 28 बड़े बांधों का पानी उतरने पर किसानों ने शुरू की खेती

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के 186 बांधों में से 28 बड़े बांधों का पानी उतरने के साथ ही इनकी पानी में डूबी हुई उपजाऊ जमीन अब ऊपर आ गयी है। अब इन 28 बडे बांधों की खाली हुई 200 एकड़ जमीन पर खेती करके किसान, अगली बारिश आने के पहले फायदे की खेती कर अच्छी फसल ले लेंगे। कृषि विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह की पानी में डूबी हुई जमीन बेहद उपजाऊ होती है। बता दे कि नहरो और पाइप लाइनों के जरिए पानी छोड़ने और गर्मी शुरू से जिले के अधिकांश बांधों का पानी कम हो चुका है। इससे बांधों के पानी में डूबी जमीन कृषि के लिए उपलब्ध हो गयी है। जलसंसाधन विभाग हर साल जिले भर के 186 बांधों में से बड़े बांधों के किनारे की पानी में डूबी जमीन खेती के लिए पट्टे पर देता है। एक हजार रुपए प्रति एकड़ के शुल्क पर यह जमीन पट्टे पर दी जाती है। पानी उतरने के बाद जो काली मिट्टी वाली उपजाऊ जमीन बचती है, वह पट्टे पर दी जाती है।

28 बड़े बांधों की पट्टे पर दी जमीन- इस साल 186 बांधों में से 28 बडे बांधों की

200 एकड़ जमीन पट्टे पर दी गई है। जिसमें कोसमी, सांपना, रानीपुर समेत अन्य कुल 28 बडे बांधों में पानी में डूबी जमीन पर किसानों द्वारा पट्टे पर लेकर खेती की जा रही है, जबकि जिले के छोटे बांधो में जमीनें पर्याप्त उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। इन जमीन पर मूंग और मूंगफली समेत सब्जियों की फसल अच्छी खासी मात्रा में उगाई जा रही है। यहां अच्छी पैदावार होने की संभावनाएं हैं। दोबारा बारिश शुरू होने और बारिश का मौसम आने तक ये किसान फसल भी ले लेंगे। सांपना डेम में खेती करने वाले बंटी वर्मा एवं रानीपुर डेम में खेती करने वाली कृष्णा उइके ने बताया कि हमें यह जमीन पानी उतरने के बाद मिल जाती है। इसीलिए इस पर खेती कर रहे हैं।

तीन से चार माह तक खाली रहती यह जमीन- बैतूलबाजार निवासी उन्नत कृषक बंटी वर्मा ने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष जिन परिवारों की जमीन पहले डेम के डूब क्षेत्र में गई है, उन परिवारों को अधिकतम 5 एकड़ जमीन एक सीजन के लिए पट्टे पर दी जाती है। हमारे परिवार द्वारा बैतूल जिले के सबसे पुराने और बड़े बांध सापना डेम की खाली हुई जमीन ली गई है, जिस पर अभी मूंग की खेती की जा रही है। उल्लेखनीय है कि जिन स्थानों पर डेम का पानी जल्दी उतर जाता है, वहां किसान गेहूं की फसल भी ले लेते हैं, वैसे इस जमीन पर मूँग, मूंगफली सहित सब्जियों की पैदावार अच्छी होती है। यह जमीन तीन से चार माह के लगभग खाली रह पाती है जिस पर अच्छी खासी पैदावार हो सकती है।

एक्सपर्ट व्यू

कृषि वैज्ञानिक विजय कुमार वर्मा ने बताया कि पानी में डूबी बांध की मिट्टी बेहद उपजाऊ होती है। इसमें हर पोषक तत्व बेहद अधिक मात्रा में होते है। कई किसान अपने खेतों में अलग से इस मिट्टी को ले जाकर भी डलवाते हैं। इस मिट्टी में सीधे खेती करना तो और भी ज्यादा अच्छा है। इस जमीन पर मूंग, मूंगफली समेत सब्जियों की पैदावार अच्छी खासी होती है।

इनका कहना है

जिले में 186 बांध हैं। इनमें से अधिकांश बड़े बांधों का पानी उतरने के बाद इनकी पानी में डूबी मिट्टी वाली जमीनें खेती के लिए उपलब्ध हो जाती हैं। किसानों को एक हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से यह जमीनें पट्टे पर दी जाती है। इस गर्मी के सीजन में पट्टे पर दी गई जमीनों पर खेती शुरू हो गयी है। दोबारा पानी भरने के पहले तक किसान फसल ले लेते हैं।

- विपिन वामनकर,
ईई, जलसंसाधन विभाग, बैतूल

पहलगाम हमले के खिलाफ मुस्लिम त्यौहार कमेटी का प्रदर्शन

भोपाल। कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हाल ही में हुए आतंकी हमले के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के तत्वावधान में आज एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व समिति के चेयरमैन हाफ़िज़ अहमद शाहमीरी खुर्रम एवं समाजसेवी अनवर पठान ने किया।प्रदर्शन के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अपनी बाजुओं पर काली पट्टियाँ बाँधकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और विरोध का प्रतीक प्रस्तुत किया। साथ ही आतंकवाद का पुतला दहन कर इस नृशंस और अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा की गई। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और ऐसी घटनाएँ देश की एकता एवं शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी इस वीभत्स हमले की भर्त्सना करते हुए, उसमें मारे गए मासूम लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है और शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती है। कमेटी के चेयरमैन हाफिज शाहबेरी ने कहा की हम सरकार से यह मांग करते हैं कि इस हमले के दोषियों को कठोरतम सज़ा दी जाए।

पितृ पर्वत पहुँचे उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

इंदौर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज दोपहर पितृ पर्वत पहुँचे और वहाँ उन्होंने श्री हनुमानजी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस मौके पर पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय भी साथ थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री विजयवर्गीय के साथ सम्पूर्ण मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए कहा कि मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं जागरूक नागरिकों ने एक निर्जन पहाड़ी पर लाखों पौधों का रोपण कर उसे हरियाली में तबदील कर दिया है। जिसे आज हम पितृ पर्वत के नाम से जानते हैं। पितृ पर्वत पर इतना सघन वृक्षारोपण बगैर इच्छा शक्ति के संभव नहीं है, लेकिन श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी इच्छा शक्ति से करके दिखा दिया। पितृ पर्वत आज इंदौर का प्रमुख दर्शनीय स्थल बन चुका है।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भाजपा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा ने पुतला दहन कर पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

धार। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा गोली मारकर हत्या करने के विरोध में बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने धार के मोहन टॉकीज चौराहे पर पाकिस्तान सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया। इस दौरान लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शहर के मोहन टॉकीज चौराह पर डॉ जमील शेख, जहांगीर लाला, जाकिर पटेल पलवाड़ा के साथ अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकताओं ने पुतला दहन किया । इस दौरान

लोगों को संबोधित करते हुए बीजेपी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष डॉ जमील शेख ने कहा हमारी माटी ने अमन- भाईचारा और प्रेम का संदेश देने वाले महात्मा बुद्ध को हमे दिया है। जलियांवाला बाग हत्याकांड को अंजाम देने वाले जनरल डायर को उसके घर में घुसकर सजा देने वाले वीर शहीद उधम सिंह भी इसी धरती पर जन्म लिए है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष जहांगीर लाला ने देश का यशस्वी नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से आतंकवादियों को करारा जवाब देने की मांग की है।

आतंकवादियों की कोई जाति धर्म नहीं होता है। यह मानवता के विरोधी है। मानव हित में पूरी दुनिया से आतंकवाद का खात्मा आवश्यक है । इस दौरान जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष जाकिर पटेल पलवाड़ा, पूर्व पार्षद बाला बागवान, मोर्चा के आसिफ मकरानी, सईद अनवर हाजी पटेल, अशफाक पटेल मंगजपुरा सोहेल खान बिल्ला टायशन बैग, फिरोज खान,आदि ने घटना की घोर निंदा की है।

स्कूली बच्चों और बुजुर्गों का किया नेत्र परीक्षण

बैतूल। सेवा सदन और मां शारदा सहायता समिति बैतूल के संयुक्त तत्वाधान में आनंद ग्राम सिमोरी और सराड में शुक्रवार निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के शैलेंद्र बिहारिया ने बताया कि स्कूलों में बच्चों को अपनी आंखो के प्रति जागरूक करने और उनके दृष्टि दोष का उपचार करने के उद्देश्य से और बुजुर्गों की चिंता करते हुए यह शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने बताया प्रत्येक परिवार में बुजुर्गों की आखों में दोष आ जाता है। मोतियाबिंद हो जाने से रोशनी भी जा सकती है। ऐसे में इनकी चिंता कोई नही करता, ऐसे बुजुर्गो की चिंता करते हुए उन्हे मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया। शिविर में डॉ.प्रशांत गुप्ता और सुनील टिकारे ने अपनी सेवाएं दी नेत्र जांच के साथ ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आंखें, हमारे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। ये बहुत नाजुक होती हैं, इसलिए उनकी पूरी देखभाल करें, थोड़ी सी भी परेशानी हो तो उसे नज़रअंदाज़ न करें। अगर आंखों से संबंधित समस्याओं को आप लंबे समय तक नज़रअंदाज़ करेंगे तो दृष्टि प्रभावित हो सकती है या हमेशा के लिए आंखों की रोशनी छिन सकती है। बच्चो को मोबाइल से दूर रखे, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल आंखों के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे आंखों में तनाव, सूखापन, धुंधलापन और सिरदर्द हो सकता है। मोबाइल की नीली रोशनी आंखों के लिए हानिकारक होती है और यह रेटिना को नुकसान पहुंचा सकती है।

पहलगाम हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देने निकाली रैली, कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

बैतूल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 26 देशवासियों को श्रद्धांजलि देने और दोषियों को कड़ी सजा की मांग को लेकर विश्व मांगल्य सभा, पूर्व सैनिक संघ, विहिप के बैनर तले विशाल रैली निकाली गई। जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक और कई सामाजिक संगठन शामिल हुए। शाम 5 बजे जिला कलेक्ट्रेट में सभी लोगों ने एकत्रित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद कलेक्टर कार्यालय में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इसके पश्चात कलेक्ट्रेट से कारगिल चौक तक महारैली निकाली गई, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया गया। आयोजकों ने कहा कि यह समय देश के लिए एकजुट होने का है। हम शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भूलेंगे और उनके हत्यारों को कठोर सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

पहलगाम हत्याकांड को लेकर गोस्वामी समाज में आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

बैतूल। कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इसी घटना को लेकर बैतूल जिले में गोस्वामी समाज के पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों को फांसी की सजा दिलवाने की मांग को लेकर देश के प्रधानमंत्री के नाम अपर कलेक्टर राजीवनंदन श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश संगठन मंत्री जगन गिरी गोस्वामी ने बताया कि यह हृदय विदारक घटना 22 अप्रैल को सामने आई, जब कश्मीर के पहलगाम में घूमने गए पर्यटकों पर आतंकियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाईं। इस हमले में मध्यप्रदेश के इंदौर से गए एक परिवार को भी निशाना बनाया गया। हमलावरों ने महिला के सामने उसके पति को गोली मारकर हत्या कर दी। इसी प्रकार अन्य पर्यटकों को भी धर्म के आधार पर टारगेट किया गया। जगन गिरी गोस्वामी ने इसे एक जघन्य और निंदनीय अपराध की श्रेणी में रखते हुए बताया कि यह पूरी मानवता के खिलाफ किया गया कृत्य है, जिसकी निंदा देशभर में गोस्वामी समाज कर रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला सचिव निलेश गिरी गोस्वामी, नमन गोस्वामी, मयूर पूरी और दिलीप गोस्वामी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार से मांग की कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा दी जाए, ताकि आगे कोई भी इस प्रकार का अमानवीय अपराध करने का दुस्साहस न कर सके। समाज के लोगों ने कहा कि यह हमला देश की एकता और अखंडता के लिए भी एक बड़ा खतरा है। सरकार को सख्त कदम उठाकर आतंकवादियों के हौसले पस्त करने होंगे।

संविदा कर्मचारियों ने एमडी एनएचएम के आदेश की जलाई होली

मलेरिया उन्मूलन में लगे कर्मचारियों को सुविधाओं से वंचित करने पर आक्रोश

बैतूल। विश्व मलेरिया दिवस पर एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चौथे दिन विरोध का तरीका बेहद अलग और प्रभावशाली रहा। संविदा कर्मचारियों ने बायकाट संविदा, बायकॉट मलेरिया जैसे नारों के साथ एनएचएम की प्रबंध संचालक (एमडी) द्वारा संविदा कर्मचारियों के खिलाफ जारी किए गए आदेश की होली जलाई। यह विरोध प्रदेशव्यापी कार्यकारिणी के आह्वान पर किया गया। संविदा कर्मचारियों का आरोप है कि एनएचएम की एमडी द्वारा राज्य के सभी कलेक्टरों को पत्र भेजकर हड़ताली संविदा कर्मचारियों पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं, जो पूरी तरह दमनकारी है और यह उनके अधिकारों का हनन है। इसी के विरोध में जिले भर के संविदा कर्मचारियों ने एकजुट होकर इस आदेश की प्रतिलिपि की होली जलाई। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर धरना स्थल पर संविदा और मलेरिया सबकी चिंता, उन्मूलन सबकी जिम्मेदारी जैसे नारों से प्रदर्शन को स्वर मिला। इस मौके पर आईईसी गतिविधियों के तहत

मच्छरदानी प्रदर्शन कर कर्मचारियों ने यह संदेश दिया कि जिस मेहनत और लगन से उन्होंने मलेरिया जैसी बीमारी पर काबू पाया, उसी प्रतिबद्धता से वे अब संविदा प्रथा को समाप्त करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। मलेरिया कार्यक्रम से जुड़े संविदा कर्मचारी बी.आर. पवार, पंकज डोंगरे, राजेश यादव, सुबोध गढ़वाल, गनपत झोड़, योगेश सूर्यवंशी तथा निष्कासित एमपीडब्ल्यू आशीष माकोड़े सहित सभी संविदा कर्मचारी इस प्रदर्शन में शामिल रहे। सभी ने एक सुर में कहा कि वर्षों की मेहनत और समर्पण के बाद भी उन्हें स्थायीत्व और सम्मान नहीं मिल रहा है। जिला कार्यकारिणी से विनोद शाक्य, डॉ गोविंद साहू, एकनाथ ठाकुर और दीपक झरिया ने बताया कि एमडी एनएचएम द्वारा कलेक्टरों को संविदा कर्मचारियों पर कार्यवाही हेतु पत्र जारी करवाना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारी अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में डटे रहेंगे और यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता।

जल स्त्रोतों को सहेजने और जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए देवी सागर तालाब की सफाई के लिए श्रमदान

केंद्रीय मंत्री,विधायक, कलेक्टर सहित नागरिकों ने किया श्रमदान, दिया जल संरक्षण का संदेश

धार। जल स्त्रोतों को सहेजने और जल संरचनाओं के संरक्षण हेतु केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना वर्मा के साथ कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी आज शहर के प्रसिद्ध माँ गढ़ कालिका देवीसागर तालाब पर एकत्रित हुए और तालाब की पाल पर जमा हुए कचरे और गंदगी को हटाया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में समाजसेवी, युवा भी श्रमदान में जुटे और बड़ी मात्रा में कचरे को हटाकर हनुमान घाट को साफ किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत समूचे जिले में जल स्त्रोतों की साफ सफाई और संरक्षण के कार्यो की कड़ी के रूप में आज जिला प्रशासन और नगरपालिका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित श्रमदान में जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई । साथ ही देवीसागर तालाब में पूजन सामग्री फेंकना पूरी तरह प्रतिबंधित करने के निर्देश भी दिए गए। श्रमदान कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा बोडाने, धार एसडीएम रोशनी पाटीदार, सीएमओ विकास डावर, स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के ब्रांड एम्बेसडर राजेश शर्मा, श्रीकांत द्विवेदी सहित नपा अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रति सप्ताह देवी सागर तालाब की सफाई करने का संकल्प भी लिया गया।

जिले में आरडीएसएस योजना के अंतर्गत पांच उप केंद्रों के निर्माण से दर्जनों ग्रामों को मिलेगा लाभ

बैतूल। केंद्र सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम आरडीएसएस के लॉस रिडक्शन फेस-1 के तहत बैतूल जिले में विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु 5.00 एमव्हीए के 33/11 केवी उपकेन्द्रों के पांच निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत कुल 1489.00 लाख रुपये की लागत से उपकेंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत आठनेर विकासखंड के ग्राम कोपरा में उपकेन्द्र का निर्माण कार्य 31 अगस्त 2024 को पूर्ण कर लिया गया और उपकेन्द्र को उर्जीकृत कर दिया गया है। इस उपकेन्द्र पर अनुमानित 216 लाख रुपये की लागत आई है। उपकेन्द्र के शुरू होने से ग्राम कोपरा तथा आसपास के 19 ग्रामों को अब गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति मिलने लगी है। इसी प्रकार मुलताई विकासखंड के ग्राम पिसाटा में उपकेन्द्र का निर्माण 31 मार्च 2025 को पूर्ण कर लिया गया है। लगभग 248 लाख रुपये की लागत से तैयार यह उपकेन्द्र 15 मई 2025 तक उर्जीकृत किया जाएगा। इसके बाद पिसाटा और आसपास के 26 ग्रामों को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम रतनपुर में उपकेन्द्र का कार्य तेजी से प्रगति पर है। लगभग 419 लाख रुपये की लागत से बन रहा यह उपकेन्द्र 31 मई 2025 तक पूर्ण होने की संभावना है। इसके चालू होने पर रतनपुर क्षेत्र के 56 ग्रामों को लाभ मिलेगा। वहीं भैंसदेही विकासखंड के ग्राम चिखलाजोडी और भीमपुर विकासखंड के ग्राम मोहटा में भी उपकेन्द्रों का निर्माण कार्य जारी है। चिखलाजोडी उपकेन्द्र पर 371 लाख और मोहटा उपकेन्द्र पर 235 लाख रुपये की लागत अनुमानित है। दोनों कार्य 31 जुलाई 2025 तक पूर्ण होने की संभावना है। चिखलाजोडी से जुड़े 32 ग्रामों और मोहटा से जुड़े 48 ग्रामों को लाभ मिलेगा।

सरदार पटेल की प्रतिमा का हुआ अनावरण

गंगा विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक भरत पाठक द्वारा नर्मदा प्रदूषण मुक्ति का संकल्प दिलाया

धार। कुक्षी के सरदार पटेल महाविद्यालय में सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गंगा विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक भरत पाठक द्वारा अन्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

मुख्य अतिथि गंगा विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक भरत पाठक ने नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करने को लेकर संकल्प दिलाया । उन्होंने कहा कि धार जिले में जल स्त्रोत का संरक्षण जरूरी है साथ ही पौधारोपण एक महा अभियान बने जो पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरणविद् सचिन दवे ने बताया कि 12 वर्षों से नर्मदा शुद्धिकरण अभियान की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत से बताया। सचिन दवे ने बताया कि सरदार सरोवर बांध के कारण ही इस क्षेत्र में विकास हुआ है सरदार सरोवर बांध से कृषि बिजली रोजगार एवं पर्यटन में वृद्धि हुई है उन्होंने बताया कि 58 घाटों पर समिति द्वारा लगातार गतिविधियां चलाई जा रही है ।

स्वागत भाषण देते हुए भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार ने सरदार पटेल के जीवन पर प्रकाश डाला । प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल ने स्टैचू ऑफ यूनिटी में कुक्षी के छात्रों को भ्रमण की योजना के विषय में आव्हान किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री रंजना बघेल ने प्रधानमंत्री द्वारा किए जा रहे हैं विकास कार्यों के विषय में छात्रों को बताया एवं सरदार पटेल के संकल्प को जीवन में उतारने की बात कही । संचालन जन भागीदारी अध्यक्ष ओम प्रकाश पाटीदार ने किया । आभार संयोजक महेंद्र भाई सेप्टा ने किया। मुकेश कावरिया, श्याम अगाल, राजेश जोशी सुरमा सोलंकी जगदीश कन्नौज , मुकमसिंह निंगवाल भी मंच पर उपस्थित रहे ।

सम्मानित हुए शिक्षाविद् अभय किरकिरे एवं सहयोगी दानदाता ....

संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में सरदार पटेल के नाम से नागरिक कर्तव्य विषय पर पुरस्कार शिक्षाविद अभय किरकिरे को दिया गया। कार्यक्रम में कुक्षी महाविद्यालय के लिए जमीन दानदाताओं शेख शब्बीर जिनवाला एवं गरासिया जी का सम्मान भी किया गया। सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा निर्माण में सहयोगी दानदाताओं का भी सम्मान किया गया । अतिथियों का स्वागत राधेश्याम मुकाती, कन्हैयालाल व्यास , किरण गुप्ता, गोल्डी पाटीदार, ऋषुराज सोनी , अभिषेक मिश्रा, संदीप दवे , नीतीश राजपुरोहित, मेहुल शर्मा , अर्पित राठौर द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया । पहलगाम में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी गई ।

बीज निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की प्रमुख मांग

ग्रेच्युटी अवकाश नगदीकरण समयमान वेतनमान का शीघ्र निराकरण होगा - धरना प्रदर्शन स्थगित

भोपाल। सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के महासचिव अरुण वर्मा ने बताया कि प्रमुख सचिव एवं प्रबंध संचालक महोदय ने अश्वासन दिया है कि बीज निगम के सेवानिवृत कर्मचारियों की प्रमुख मांग ग्रेच्युटी अवकाश नगदीकरण समयमान वेतनमान का अति शीघ्र निराकरण किया जायेगा साथ ही प्रबन्ध संचालक महोदय ने यह भी अश्वासन दिया है जिनकी जाँच गंभीर वित्तीय अनियमित्ता की नही है उनका भी निराकरण किया जायेगा इस अवसर पर महासचिव अरुण वर्मा एस सी त्रिपाठी राजेश वर्मा एस एस तिवारी वी पी व्यास जी एवं आर एस सिंह उपस्थित थे ।

अत = प्रबंध संचालक महोदय के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन स्थगित किया जाता है महा सचिव अरुण वर्मा ने प्रमुख सचिव महोदय एव प्रबंध संचालक महोदय का आभार व्यक्त किया है धरना समाप्त करने के पूर्व पहल गांव मे मृतकों को श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई उसके बाद धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया परिणाम स्वरूप सेवानिवृत कर्मचारियों मे हर्ष व्याप्त है।

सामयिक

अजमत

लेखक सर्वोदय कार्यकर्ता हैं।

धर्म नहीं, इंसानियत का चेहरा बनिए

पहलगाम की वादियों में वो लोग गए थे खुशियाँ मनाने, शादी के बाद की कुछ हँसी-खुशी के पल जीने, ज़िंदगी की भागदौड़ से थोड़ी राहत पाने - लेकिन उन्हें क्या पता था, वहाँ मौत उनका इंतज़ार कर रही होगी।

बहुत अफ़सोस इस बात का है कि कश्मीर जैसी जगह पर हमला हुआ, और उन बेगुनाहों पर हुआ, जो देश के ही एक हिस्से को देखने, समझने, महसूस करने गए थे। और आज जब ये ख़बरें आती हैं कि गोलियाँ चलने वालों ने धर्म पूछकर लोगोया चलाने का फ़ैसला कर रहे हैं – तो मन काँप उठता है। लेकिन यह भी देखने में आ रहा है कि वहां कई मुश्लिम भी मारे गए है ? तब थोड़ा समझने कि जरुरत होती है कि क्या गोली कोई धर्म देखती होगी ?

शायद नहीं... लेकिन यह घटना यह सोचने पर मजबूर जरुर कर रही है कि ये कैसी दुनिया बनती जा रही है, जहाँ धर्म पूछकर इंसान को इंसान समझा जाएगा? पर तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। और उसी में हमारी उम्मीद छुपी है। कई स्थानीय मुस्लिम भाइयों ने जान की परवाह किए बिना वहां सभी लोगों के लिए मदद की।

मस्जिदों से ऐलान हुआ कि जो हुआ, वो ग़लत था। कश्मीरियों ने घटना के बाद टैक्सी, होटल, खाना सबकुछ मुफ़्त कर दिया - क्योंकि उन्हें भी महसूस हुआ कि इस समय इंसानियत सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है। तो फिर हम किस ओर खड़े हैं?

क्या हम उस भीड़ में शामिल होंगे जो धर्म के नाम पर आग भड़का रही है? या उन हाथों में हाथ देंगे, जो ज़ख्मों पर मरहम रख रहे हैं? आतंकियों का धर्म सिर्फ़ आतंक है और हमारा धर्म - इंसानियत।

सरकार ने सुरक्षा में चूक मानी - ये ज़रूरी था।

लेकिन अब देश को तोड़ने की कोशिशों का जवाब

हम सबको मिलकर देना है - नफरत से नहीं, बल्कि प्यार, एकता और समझदारी से।

आइए, मिलकर कहें-

'तुम हमें धर्म से बाँटना चाहते हो, पर हम भारत की मिट्टी से जुड़े हैं।

हम एक हैं - हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई नहीं, सबसे पहले - इंसान हैं, और भारतीय हैं।'

अब वक्त आ गया है कि देश में नफरत नहीं, मोहब्बत की आवाज़ बुलंद हो और हम सब एक हो कर आतंकवादियों को बता दें कि तुम हमें नफरत से नहीं हरा सकते हो।

तो आगे बढ़िए- इंसानियत की मशाल थामिए कश्मीर चलिए... वहां जा कर देखिये... समझिये... साथ खड़े होइए। और कहिये हम भारतीय है किसी से डरते है हम गाँधी के देश से है एक साथ रहते है एक साथ जीते है एक दूसरे के लिए मरते भी है। जय जगत।

ओलेक्ट्रा ने लॉन्च किया नया कांक्रीट सुदृढ़ीकरण

भोपाल। ओलेक्ट्रा ने एमईआईएल बजट मीट के दौरान जीएफआरपी रीबार (ग्लास फाइबर प्रबलित पॉलिमर रीबार) लॉन्च किया है, जो कांक्रीट सुदृढीकरण में एक बड़ी तकनीकी सफलता मानी जा रही है।

जीएफआरपी रीबार स्टील से दोगुना मजबूत और चार गुना हल्का होता है, जिससे इसे आसानी से हैंडल और ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। यह जंगरोधी, गैर-चुंबकीय और जल-प्रतिरोधी होता है। जीएफआरपी रीबार के उपयोग समुद्री परियोजनाओं, फुटपाथ, पुल डेक, औद्योगिक फर्श आदि में होंगे। यह उत्पाद निर्माण उद्योग में क्रांति लाएगा और लागत बचत, कम रखरखाव और लंबी उम्र प्रदान करेगा। हैदराबाद स्थित ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड एमईआईएल समूह का हिस्सा, 2000 में स्थापित हुई और भारत में इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत करने वाली अग्रणी कंपनी है। अब रीबार के साथ, ओलेक्ट्रा इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रही है।

एम्स भोपाल और ईको इंडिया के बीच स्वास्थ्य पेशेवरों के क्षमता-विकास के लिए समझौता ज्ञापन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में, एम्स भोपाल और ईको इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ईको इंडिया एक अग्रणी गैर-लाभकारी संगठन है जो क्षमता-विकास और सहभागी शिक्षण मॉडल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका के क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए कार्यरत है। ईको इंडिया मध्यप्रदेश में भी सक्रिय रूप से कार्यरत है, जहाँ वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से एक राष्ट्रव्यापी क्षमता-विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बीटा थैलेसीमिया और अन्य हीमोग्लोबिनोपैथीज़ की रोकथाम और नियंत्रण पर काम कर रहा है। यह कार्यक्रम विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा प्रदान कर इन रक्त विकारों के प्रभावी रोकथाम, पहचान और उपचार को बढ़ावा दे रहा है। यहसमझौता ज्ञापन एम्स भोपाल की ओर से डीन (अनुसंधान) और ईको इंडिया की ओर से डॉ. संदीप भल्ला, उपाध्यक्ष (परियोजना) द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस सहयोग के अंतर्गत विशेषज्ञ-नेतृत्व में प्रशिक्षण सत्र, ज्ञान-विनिमय बैठकें और वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य संस्थान के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सतत व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने समझौते के दीर्घकालिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, यह साझेदारी ईको इंडिया के साथ हमारे उस मिशन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य केवल रोगियों की देखभाल में उत्कृष्टता प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि अकादमिक विकास और अनुसंधान को भी बढ़ावा देना है। भविष्य के लिए तैयार स्वास्थ्य प्रणाली के लिए एक मजबूत शिक्षण, मार्गदर्शन और साझा अनुभवों का मंच आवश्यक है। इस सहयोग के माध्यम से हम अपने स्वास्थ्यकर्मियों में निवेश कर रहे हैं, जो हमारी स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ हैं, उन्हें ऐसे ज्ञान और कौशल से सुसज्जित कर रहे हैं, जिससे वे जनस्वास्थ्य की बदलती मांगों का आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ सामना कर सकें। इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए एम्स भोपाल के डीन (अनुसंधान) डॉ. रेहान-उल-हक़ ने कहा, एम्स भोपाल में हमारा मानना है कि संस्थानों को केवल नैदानिक उत्कृष्टता के केंद्र नहीं, बल्कि निरंतर शिक्षण और ज्ञान-विनिमय के भी केंद्र होना चाहिए। एम्स भोपाल, एनएचएम मध्यप्रदेश और ईको इंडिया के बीच यह रणनीतिक साझेदारी जनस्वास्थ्य लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और समुदाय के कल्याण को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

होटल पर खाना बनाने वाला इरशाद गिरफ्तार

बांग्लादेश का रोहिंग्या घुसपैठिया होने का शक

सीहोर (नप्र)। कोतवाली थाना पुलिस ने विश्वहिन्दू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना के बाद बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठिया होने की शंका पर गुरूवार को लीसा टाकिज स्थित श्रीजी होटल पर खाना बनाने वाले कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अल्हादाखेडी ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव के द्वारा भी पुलिस को शिकायती पत्र देकर जांच किए जाने की मांग की गई है। फिलहाल पूरे मामले में कोतवाली थाना पुलिस के द्वारा गिरफतार शख्स के दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

विश्वहिन्दू परिषद बजरंग दल पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश कुशवाह ने बताया कि ग्राम पंचायत अल्हादाखेड़ी के ग्राम सारंगाखेड़ी लोटिया फार्म क्षेत्र में रहने वाले इस शख्स की गतिविधियों ग्रामीणों और विहिप कार्यकर्ताओं को संदिग्ध लग रही थी जिस के बाद ग्राम पंचायत से इस बायडाटा निकल वाया गया जिस में सामने आया की यह पांच साल पहले हीं यह आया है। ग्राम पंचायत अल्हादाखेडी के सरंपच ने बताया कि पूर्व सरपंच द्वारा लेटर पेड पर निवासरत होने का प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इस प्रमाण पत्र के तहत हीं आधार में पते का संशोधन कराया है और आधार पर समग्र आई.डी. कं लिए भी आवेदन किया गया है। इधर पुलिस के द्वारा की गई पूछताछ में शंका के आधार पर गिरफतार शख्स ने अपना नाम था मोहम्मद इरसाद आ. मो. सिराज बताया है आधार कार्ड में के नाम कुछ विभिन्नता है। अल्हादाखेडी ग्राम पंचायत ने मोहम्मद इरसाद आ. मो. सिराज के बग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठिया पाए जाने पर पुलिस प्रशासन पर सख्त कार्यवाही किए जाने की मांग है।

अनकही कहानी होती है आत्मकथा : मनोज श्रीवास्तव

स्व. रामवल्लभ नागर की आत्मकथा 'सबकी अपनी राम कहानी' का लोकार्पण

भोपाल। ईमानदारी से अपनी आत्मकथा लिखना बेहद कठिन कार्य होता है। वास्तव में आत्मकथा अपनी अनकही कहानी होती है, जिसे लिखकर व्यक्ति उस वेदना से मुक्त हो जाता है, जिसे वह कभी अभिव्यक्त नहीं कर पाता। ये विचार मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त एवं प्रख्यात साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव ने व्यक्त किए। वे मंगलवार को भोपाल में विश्व संवाद केंद्र में मध्यप्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी (स्व.) राम वल्लभ नागर की आत्मकथा 'सबकी अपनी राम कहानी' के विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। 'सब की अपनी राम कहानी' का संपादन के (स्व.) नागर के ज्येष्ठ पुत्र एवं भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी सुप्रसिद्ध लेखक, पत्रकार, समीक्षक एवं स्तंभकार विनोद नागर ने किया है। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य सचिव अशोक विजयवर्गीय ने की। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी सारस्वत अतिथि तथा विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष लाजपत आहूजा

विशेष अतिथि थे।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अशोक विजयवर्गीय ने (स्व.) राम वल्लभ नागर के साथ बिताये दिनों को याद करते हुए कहा कि वे बेहद सुलझे हुए अधिकारी थे, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी अपने विवेक और सूझबूझ से अपने कर्तव्य का पालन किया। राजनेताओं और उच्च अधिकारियों के दबाव में आए बिना अपने दायित्व का निर्वहन कैसे किया जाता है, जानने के लिए लोगों को यह आत्मकथा अवश्य पढ़नी चाहिए।

श्रीराम तिवारी ने कहा कि इस आत्मकथा में नई पीढ़ी को गुजरे जमाने की वास्तविकता की जानकारी मिलती है। लाजपत आहूजा ने कहा कि विनोद नागर ने अपने पिताजी की डायरी में लिखे संस्मरणों को संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित कर पितृ ऋण चुकाने का प्रयास किया है। पुस्तक की समीक्षा करते हुए सुरेश पटवा ने मप्र के पूर्व मुख्य सचिव आरसीवीपी नरोन्हा और वीपी मेनन की आत्मकथाओं का उदाहरण देते हुए (स्व.) राम वल्लभ नागर के सेवाकाल के कई यादगार प्रसंगों का उल्लेख किया। 'सबकी अपनी राम कहानी' के संपादक विनोद नागर ने बताया कि पिताजी ने अपनी सेवानिवृत्ति के करीब 8 वर्ष बाद पौत्र अर्पण द्वारा भेंट की गई डायरी में संस्मरण लिखना शुरू किया और बारह वर्ष तक इसे लिखते रहे। डायरी में संस्मरणों का सिलसिलेवार संपादन करने में करीब चार वर्ष का समय लगा। कार्यक्रम के आरंभ में सुश्री मांडवी सिंह ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम संचालन साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने आभार श्रीमती संगीता नागर ने माना।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पुतले की दी फांसी

सुबह सवेरे सोहागपुर

नगर कांग्रेस एवं ब्लाक कांग्रेस के तत्वावधान में आज पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला के विरोध में अनुविभागीय अधिकारी अनिल जैन को ज्ञापन सौंपा। इसके पूर्व कांग्रेस जनों ने आतंकवाद के पुतले को फांसी दी। ज्ञापन में कहा गया है कि आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर करीब 28 लोगों की हत्या की । आर्तकियों की इस कायराना करतुत से निर्दोष पर्यटकों को मारे जाने से पूरा देश आक्रोशित है। सोहागपुर कांग्रेस एवं क्षेत्र के नागरिकों में भारी आक्रोश है।पहलगाम में आतंकियों द्वारा किए गए इस अमानवीय नरसंहार का कांग्रेस पार्टी विरोध करती है। तथा केन्द्र सरकार से आग्रह करती है। कि इस आमनवीय घटना में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जो भी शामिल हों उसके खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाए। तथा घटना में शामिल सभी आतकवदियों को मृत्यू दंड की सजा दी जाए। ऐसी आतकवदियों गतिविधियों को सरंक्षण एवं सहयोग करने वाले देश पकिस्तान एवं अन्य आतंकवादी सगंठन पर कठोरतम कार्यवाही कर उन्हों सबक सिखाया

जाए।इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, वकील कार्तिक शर्मा, वकील मंगल सिंह, गणेश अहिरवार , इरफान खान, गजेन्द्र चौधरी, वकील प्रांजल तिवारी, नीरज चौधरी, मालवीय जी, वकील देवान्शु शर्मा, युवा वकील चंदेल कांग्रेस के समस्त मुस्लिम सदस्य भी उपस्थित थे। इसके पूर्व आतंकवाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

मेडिकल ऑफिसर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया को तीव्र गति से पूर्ण करें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

एमपीपीएससी इंदौर कार्यालय में भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल ऑफिसर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इन पदों की चयन प्रक्रिया शीघ्रतापूर्वक आयोजित करे, जिससे राज्य के अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़े और मरीजों को समय पर समुचित इलाज मिल सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर कार्यालय में मेडिकल ऑफिसर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की समय पर नियुक्ति से स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, म.प्र. लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश लाल मैहरा,

आयोग के सदस्य प्रो. कृष्णकांत शर्मा, सचिव श्री प्रबल सिपाहा, विशेष कर्तव्य अधिकारी श्री आर. पंचवई अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एमजीएम इंदौर डॉ. अरविंद घनघोरिया सहित चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के साथ हमेशा धोखा किया : डॉ. सत्यनारायण जटिया

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में बाबा साहब के पंचतीर्थों का विकास हुआ : जगदीश

शाजापुर/रतलाम/दतिया/छिन्दवाड़ा/सागर। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ. सत्यनारायण जटिया ने शुक्रवार को शाजापुर, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने रतलाम, उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री व सांसद श्री दिनेश शर्मा एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने छिन्दवाड़ा एवं अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालसिंह आर्य ने सागर में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठियों को संबोधित किया। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ. सत्यनारायण जटिया ने कहा कि बाबा साहब देश के एक विशाल व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपुरुष थे। वे सामाजिक समरसता के पर्याय और एक महान विचारक थे। कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ हमेशा धोखा किया है। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया है, वे हमारे देश की धरोहर हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री व सांसद श्री दिनेश शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने देश में सामाजिक समरसता के लिए कार्य किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बाबा साहब देश के एक विशाल व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपुरुष थे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सामाजिक समरसता के पर्याय और एक महान विचारक थे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि बाबा साहब के सपनो को पूरा करने और संविधान के अनुरूप चलने का काम भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकारें कर रही हैं। अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दलितों को वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया। देश पर सबसे ज्यादा राज कांग्रेस ने किया, लेकिन दलितों के लिए कुछ नहीं किया।

कांग्रेस ने निजी स्वार्थों के लिए संविधान में बदलाव किए- डॉ.सत्यनारायण जटिया- भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ.सत्यनारायण जटिया ने शाजापुर जिले के अकोदिया नगर परिषद प्रांगण में आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब देश के एक विशाल व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपुरुष थे। वे सामाजिक समरसता के पर्याय और एक महान विचारक थे। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के साथ धोखा किया है। सन 1952 में हुए लोकसभा चुनाव में बाबा साहब ने बॉम्बे नॉर्थ सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन बाबा साहब वो चुनाव लगभग 10 हजार वोटों से हार गए, इसके पीछे भी कांग्रेस पार्टी ही थी। बाबा साहब की 125वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पंचतीर्थ के विकास का बीड़ा उठाया। बाबा साहब की जन्म स्थली महू के विकास का कार्य भी भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में हुआ। भाजपा सरकारों ने सामाजिक न्याय के लिए संविधान में बदलाव किए, लेकिन कांग्रेस ने अपनी कुर्सी बचाने और निजी स्वार्थ के लिए संविधान में बदलाव किए। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की कथनी और करनी में बहुत बड़ा अंतर है। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का अपमान किया है, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र व प्रदेश सरकारों ने अनेकों योजनाएं संचालित कर उन्हें सम्मान दिया है। भाजपा की सरकारें बाबा साहब के संविधान की रक्षा और उनके सम्मान को बरकरार रखने का काम लगातार कर रही है। संगोष्ठी को प्रदेश शासन के मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हितेष वाजपेयी एवं जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डे ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान पूर्व विधायक श्री जसवंत सिंह हाड़ा, श्री बाबूलाल वर्मा एवं श्री प्रकाश झावा मंचासीन रहे।

बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी हमारे देश की धरोहर-श्री जगदीश देवड़ा- प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने रतलाम जिले के रंगोली सभागार में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। महापुरुष देश की धरोहर होते हैं और डॉ. भीमराव अंबेडकर हमारे देश की धरोहर हैं, जिनका मान-सम्मान बरकरार रखना भाजपा के हर कार्यकर्ता का कर्तव्य हैं। भाजपा ने हमेशा बाबा साहब को सम्मान देने का काम किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बाबा साहब के पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रुप में विकसित करने का बीड़ा उठाया जो बाबा साहब के प्रति सम्मान को दर्शाता है। बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों, उनकी जन्म-भूमि महू, शिक्षा-भूमि लंदन, दीक्षा-भूमि नागपुर, महापरिनिर्वाण-भूमि दिल्ली तथा चैत्य भूमि मुंबई को मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना से जोड़ा गया है। कांग्रेस ने बाबा साहब के जीवित रहते हुए और उनके परिनिर्वाण के बाद भी अपमान किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान देश को सौंपकर हमें जगाने का काम किया है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बाबा साहब के संविधान को अंतिम सत्य मानकर आगे बढ़ रही है, लेकिन विपक्षी दल संविधान को हाथों में लहराकर उसका अपमान कर तुष्टिकरण की राजनीति करने में लगे हुए हैं। आज वोट बैंक की खातिर कांग्रेस को बाबा साहब और संविधान की याद आ रही है। संगोष्ठी को वरिष्ठ नेता श्री गोपीकृष्ण नेमा एवं जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय ने भी संबोधित किया। इस दौरान श्री निर्मल कटारिया, पूर्व विधायक श्रीमती संगीता चारेल एवं श्री ओमप्रकाश मौर्या मंचासीन रहे।

बाबा साहब ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया -श्री दिनेश शर्मा- उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री व सांसद श्री दिनेश शर्मा ने दतिया के जिला कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के भारत में डॉ. भीमराव अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता और आवश्यकता अत्यधिक महसूस हो रही है। डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नींव रखी, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों के माध्यम से समग्र समावेशिता की दिशा में मार्गदर्शन किया। कांग्रेस ने धर्म-जाति के आधार पर भारत का बंटवारा किया है। बाबा साहब अंबेडकर ने जो सपना देखा था वह एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदायाल जी के एकात्म मानववाद से प्रेरित थे। इसलिए दोनों के विचार मिलते थे।

॥ मंदिरम् ॥

93

त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर, पुणे

त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर पुणे शहर के मध्य में सोमवार पेठ (नागझरी के तट पर, कमला नेहरू अस्पताल के पास) में स्थित एक सुंदर मंदिर है। यह मंदिर लगभग 250 साल पुराना है और इसकी वास्तुकला राजस्थानी, मालवा और दक्षिण भारतीय शैलियों का मिश्रण है। यह मंदिर भगवान गणेश को समर्पित दुर्लभ विरासत मंदिरों में से एक है। इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति बहुत अनोखी है क्योंकि, उन्हें तीन सूंड (त्रिशुंड) और छह हाथों के साथ देखा जाता है, जो एक मोर (मयूरेश्वर) पर बैठे हैं। यह भगवान गणेश का एक बहुत ही दुर्लभ चित्रण है और इसलिए इसका नाम त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति रखा गया है। यह ऐतिहासिक तथ्य का एक चतुर चित्रण है कि 1757 में प्लासी की लड़ाई के बाद, अंग्रेजों ने बंगाल और असम पर कब्जा कर लिया था। यह मंदिर सबसे कठोर समय से बचा हुआ है और यह अभी भी उल्लेखनीय रूप से अच्छी स्थिति में है।

नरवाई की आग में पत्नी के सामने जिंदा जला किसान

बोली- लकड़ी के नीचे फंस गए थे, पानी डाला लेकिन आग नहीं बुझी

बीना (नप्र)। सागर के बीना में एक किसान नरवाई की आग में जिंदा जल गया। किसान की पत्नी भी मौके पर थी। किसान खेत के पास रखी लकड़ी के ढेर को हटाने की कोशिश में गिर गया और सारी लड़कियां उसके ऊपर आ गईं। इसके बाद वह खेत में लगी आग की चपेट में आ गया।

घटना ग्राम हींगटी में गुरुवार रात की है। किसान राजेंद्र अहिरवार (45) खेत के पास बनी झोपड़ी में पत्नी और बेटे के साथ रहता था। पत्नी छोटी बाई का कहना है कि 5 एकड़ खेत में पति ने आग लगाई थी। लकड़ी के ढेर में वो फंस गए। बाल्टी से आग पर पानी डाला, लेकिन बुझी नहीं। पति की मौत हो गई।

पुलिस ने शव को बीना अस्पताल भिजवाया, जहां पोस्टमार्ट्म किया जाएगा। पुलिस जांच कर रही है। हादसे के बाद से राजेंद्र की पत्नी और बेटा सदमे में हैं।

बेटा बोला- बाजार से लौटा तो पिता का शव मिला- मृतक के बेटे राजकुमार अहिरवार ने बताया, रात करीब 8 बजे पिता ने कहा था कि मुर्गा खाना है। दारू पीनी है। मैं बाजार से मुर्गा और शराब लाने के लिए चला गया। देर रात लौटा, तो घटना का पता चला। ये पता नहीं है कि आग पिता ने लगाई या मां ने। परिवार में ताऊ का निधन हो गया है। उनका बेटा है।

हाल ही में गेहूं की कटाई कराई थी- गांव के कोटवार प्रकाश राय ने बताया, किसान के बेटे ने रात को फोन कर घटना

राजेंद्र अहिरवार, किसान

की जानकारी दी। मैंने पटवारी विमल भदौरिया को कॉल किया। जब पटवारी मौके पर पहुंचा तो बेटा बेसुध पड़ा था। किसान की पत्नी रोए जा रही थी।

किसान राजेन्द्र जिस जमीन पर खेती करता था, वह सरकारी भूमि है। इस पर उसका कब्जा है। हाल ही में किसान ने हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई कराई थी। टीआई अनूप यादव मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

सागर में नरवाई जलाने का रिकॉर्ड टूटा

सागर जिले में नरवाई जलाने के मामले में किसानों ने दो साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। इस बार अभी तक नरवाई जलाने के 603 मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 177 ज्यादा हैं। पिछले 15 दिन में ही जिले में नरवाई जलाने पर 40 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नरवाई जलाई तो किसान सम्मान निधि नहीं मिलेगी मध्यप्रदेश में नरवाई जलाने पर अब सरकार सख्ती से पेश आएगी। जो किसान नरवाई जलाते पाए जाएंगे, उन्हें न तो सीएम किसान सम्मान निधि की सालाना 6000 रुपए की राशि मिलेगी और न ही अगले सीजन में सरकार उनकी गेहूं की एमएसपी पर खरीद करेगी। ये दोनों प्रतिबंध एक साल तक प्रभावी रहेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में बड़ा फैसला लिया गया।

आसमान से गिरा धातु का टुकड़ा, मकान की छत-दीवार टूटी

शिवपुरी में 10 फीट गहरा गड्ढा हुआ ; टीआई बोले- फाइटर प्लेन का हिस्सा हो सकता है

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के पिछोर में एक मकान पर आसमान से धातु का टुकड़ा आकर गिरा है। इससे मकान की छत गिर गई। दो कमरों को नुकसान पहुंचा है। जमीन पर 10 फीट का गड्ढा हो गया है।

मामला ठाकुर बाबा कॉलोनी में शुक्रवार सुबह का है। मकान मालिक मनोज सगर ने बताया- सुबह करीब 11 बजे हमारे मकान पर आसमान से भारी चीज तेज आवाज के साथ आकर गिरी। बाहर के दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घर में हम चार सदस्य मौजूद थे। अंदर होने की वजह से सभी सुरक्षित हैं। एयरफोर्स ग्वालियर की टीम जांच के

लिए मौके पर पहुंची है। टीम ने आसमान से गिले गोले के टुकड़ों को एकत्रित किया। जिस जगह गोला गिरा वहां से जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है।

बारूद जैसी गंध, पुलिस जांच कर रही

टीआई जितेंद्र मावई ने कहा- घटना स्थल पर बारूद जैसी गंध आ रही है। प्रारंभिक जांच में लग रहा है कि वस्तु संभवतः किसी फाइटर प्लेन से गिरी हो सकती है। हम इसके बारे में पता कर रहे हैं। बम स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय रहवासी आशंकित हैं।

कलियासोत डैम के पास

वाल्मी पहाड़ी में लगी आग से 13 एकड़ में हजारों पेड़ जले

आग आवासों के समीप तक पहुँच गई, यहां टाइगर का भी मूवमेंट; 6 घंटे में पाया काबू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कलियासोत डैम के पास वाल्मी पहाड़ी में गुरुवार शाम करीब 6 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 13 एकड़ की पहाड़ी को चपेट में ले लिया। आग की लपटें वाल्मी स्थित सरकारी आवासों तक पहुंच गईं। इस कारण 8 घरों को खाली कराना पड़ा।

देर रात लपटों पर काबू पा लिया गया। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे 6 से 7 जगहों से धुआं निकल रहा था। एहतियातन दमकल और वन विभाग की टीम मौके पर है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल आग का खतरा नहीं है। आग लगने के बाद विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, डीएफओ लोकप्रिय भारती, नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, एसडीएम रविशंकर राय भी पहुंचे।

राहगीरों ने धुआं उठता देखा- पहाड़ी पर आग की लपटें और धुआं उठता देख राहगीरों ने फायर कंट्रोल रूम में सूचना दी। इसके बाद दमकलें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। पेड़-पौधे, झाड़ियां

और ऊबड़-खाबड़ रास्ता होने की वजह से आग जल्दी काबू में नहीं आई। आग बुझाने के दौरान कुछ कर्मचारियों के मामूली रूप से झुलसने की भी खबर है। विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, डीएफओ लोकप्रिय भारती भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

डीएफओ खुद आग बुझाने जंगल में उतरे- डीएफओ भारती आग बुझाने के लिए खुद जंगल में कर्मचारियों के साथ उतर गए। उन्होंने बताया कि आग काबू में आ गई है। वन विभाग के रेंजर शिवपाल पिपरदे ने कहा, रात 12 बजे तक आग काफी हद तक काबू में आ गई है। लगातार नजर रखे हुए हैं।

बाघ मित्र बोले-टाइगर मूवमेंट एरिया- बाघ मित्र राशिद नूर ने बताया कि पूरा इलाका 13 एकड़ में फैला है। आसपास रहने वाले लोग भी आग बुझाने में जुटे हैं। जिस जगह पर आग लगी, वहां पर टाइगर का मूवमेंट भी रहता है।

सांसद-विधायकों को भी सैल्यूट करेंगे पुलिस अफसर

डीजीपी का आदेश- अफसर से मिलने आए तो प्राथमिकता से सुननी होगी बात

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अब सीएम और मंत्रियों के साथ सांसद-विधायकों को भी पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को सैल्यूट करना होगा। डीजीपी कैलाश मकवाना ने इसके आदेश जारी कर कहा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कमी नहीं होनी चाहिए। इतना ही नहीं अगर सांसद और विधायक मिलने आए तो पुलिस अफसरों को प्राथमिकता के आधार पर उनसे मुलाकात कर बात सुननी होगी। डीजीपी के यह निर्देश 24 अप्रैल को जारी हुए हैं।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने इसके निर्देश प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों को जारी कर इसका पालन करने के लिए कहा है। सभी सांसद, विधायकों को सरकारी कार्यक्रम या सामान्य मुलाकात के दौरान उनका अभिवादन वर्दीधारी अधिकारी और कर्मचारी सैल्यूट करके करेंगे।

ध्यान से सुनेंगे बात, शिष्टता से देंगे जवाब- डीजीपी ने यह भी कहा है कि सांसदों, विधायकों द्वारा जब भी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से मोबाइल, दूरभाष पर जन समस्या को लेकर संपर्क किया जाता है तो अधिकारी कर्मचारी की जिम्मेदारी होगी कि संवाद के दौरान ध्यान से उनकी बात सुनेंगे और शिष्टता के साथ जवाब देंगे।

पूर्व में जारी निर्देशों का हवाला दिया- डीजीपी ने सांसदों, विधायकों के सम्मान को लेकर जारी निर्देश में आठ अलग-अलग परिपत्रों का जिक्र किया है। ये सर्कुलर पुलिस महकमे के अफसरों के लिए 23 जनवरी 2004, 18 मई 2007, 22 मार्च 2011, 24 अक्टूबर 2017, 19 जुलाई 2019, 11 दिसम्बर 2019, 12 नवम्बर 2021 तथा 4 अप्रेल 2022 को शासन द्वारा जारी किए गए हैं।

दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह बोले-

आतंकियों से मिले हैं उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस उनसे समर्थन वापस लें

राहुल गांधी को सोच-समझकर बोलने की नसीहत

गुना (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आतंकवादियों से मिले हुए हैं। कांग्रेस को उनसे समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लक्ष्मण सिंह यहीं नहीं रुके, उन्होंने राहुल गांधी को भी सोच समझकर बात करने की नसीहत दे डाली। लक्ष्मण सिंह ने कहा- मैं कैमरे के सामने कह रहा हूं, पार्टी को मुझे निकालना हो तो आज निकाल दे। हमारी पार्टी के नेता सोच समझकर बोले, नहीं तो उन्हें चुनाव में परिणाम भुगतना पड़ेंगे। पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह गुरुवार को गुना जिले के राघौगढ़ में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने संबोधित करते हुए ये बातें कही। जिसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है।

जहां टूरिस्ट थे, वहां पुलिस क्यों नहीं थी-लक्ष्मण सिंह ने कहा- चुनी हुई सरकार यह तय करती है कि फौज कहां लगेगी और पुलिस कहां लगेगी। जहां वो बताते हैं, वहां जाकर वो लग जाती है। जहां फौज लगी है, वहां उन्होंने (आतंकियों) कुछ नहीं किया। जहां टूरिस्ट इक्ट्ठे हो रहे थे, वहां पुलिस क्यों नहीं लगाई। एक सिपाही नहीं था वहां, इसका दोषी कौन है? आतंकवादी तो हैं ही, पर वो मिला हुआ है।

रॉबर्ट वाड्रा का बचपना कब तक झेलेंगे- लक्ष्मण सिंह ने राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- ये हमारा रॉबर्ट वाड्रा, जीजा जी राहुल गांधी का, कहता है कि मुसलमानों को सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देते इसलिए आतंकवादियों ने हमला किया। इन दोनों का ये बचपना हम कब तक झेलेंगे। राहुल गांधी भी थोड़ा सोच समझकर बात करें। इनकी नादानियों की वजह से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

पीएम मोदी पहले आस्तीन के सांप बाहर निकालें

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- पहलगाम पाकिस्तान बॉर्डर से बहुत दूर, फिर कैसे आतंकी आकर चले भी गए

मुरैना (नप्र)। पीएम मोदी को सबसे पहले भितरघाती आस्तीन के सांपों को बाहर निकालना होगा। इसके बाद दूसरा कदम बढ़ाना होगा। आज हिंदू सुरक्षित नहीं है, हिंदूओं को अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी।ये बात जगदुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने शुक्रवार को मुरैना में कही। वे यहां अल्प प्रवास पर आए थे। शंकराचार्य सिवनी के मातृधाम में माता गिरिजा देवी श्रीविग्रह अनावरण समारोह में शामिल होकर हरिद्वार लौट रहे थे। इसी दौरान वे मुरैना पहुंचे। जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा और ग्रामीण जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर ने उनका स्वागत करने पहुंचे।

शासकीय गेस्ट हाउस में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर कहा, पहलगाम में हुए आतंकी हमले वाली जगह पाकिस्तान बॉर्डर से बहुत दूर है। फिर आंतकवादी अंदर कैसे घुस आए और पर्यटकों को मारकर वापस सुरक्षित चले भी गए। इसमें हमारे सुरक्षा में तैनात भीतरघातियों का हाथ है, उनके बिना यह संभव नहीं।

उन्होंने कहा, हमारे गृह मंत्री ने कश्मीर जाकर पूरे भारत को संदेश दिया था कि अब कश्मीर आतंकवादियों से मुक्त हो गया है, यहां घूमने आइए। जब पर्यटक वहां गए तो उनका नरसंहार किया गया।

पूरे 40 मिनट तक ये चला। तब तुम्हारे सुरक्षाकर्मी और सैनिक आखिर कहां गए थे। लोग बता रहे हैं कि उनका भाई, पति जिंदा थे। 40 से 50 मिनट तक लोगों पर गोलियां बरसाई गईं। वहां 2000 लोगों की भीड़ थी, लेकिन फर्स्ट एड बॉक्स तक नहीं था।

यही सरकार थी, जब पुलवामा में घटना हुई

अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा, जब पुलवामा अटैक हुआ था, तब भी यही सरकार थी। आज तक इसका कोई जिम्मेदार नहीं माना गया। जब तक घर की जिम्मेदारी तय नहीं होती, तब तक आगे घटना होने की आशंका बनी ही रहती है। तो इस बार क्या किसी की जिम्मेदारी तय की जाएगी या फिर पुलवामा की तरह ही आगे की राजनीति कर-करके बात आगे बढ़ा दी जाएगी।

पहले घर के जिम्मेदारों को कड़ा दंड दें

अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा, हमारे देश के भितरघाती पहचाने ही नहीं जाएंगे तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं होती रहेंगी। भारत को सबसे पहले उन जिम्मेदारों की खोज करना चाहिए, जिनके कारण यह पहलगाम की घटना हुई। पहले उसे पकड़कर सामने लाओ। कड़ा दंड देकर बताओ कि हम जीरो टॉलरेंस रखते हैं। फिर जो बाहरी होगा, उसके खिलाफ तगड़ा एक्शन लीजिए।

पीएम मोदी के लिए कहा, घटना होने के तत्काल बाद यह तो पता कर लिया कि आतंकी कहां से आए थे और कौन थे। लेकिन घटना होने के पहले क्यों नहीं पता चलता है। जब आप गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो आपने वक्तव्य दिया था कि प्रधानमंत्री के पास बहुत सारे संसाधन हैं, उसके बाद भी यह आतंकी हमले नहीं रोक पा रहे हैं। अब वही संसाधन पिछले 11 साल से आपके पास हैं, आप क्यों आतंकी हमले नहीं रोक पाए? इस सवाल के कारण जो हमारा भरोसा था वह डगमगाया हुआ है।

राष्ट्रहित में भी पर्ची निकाले बागेश्वर धाम महाराज

मीडियाकर्मियों ने अविमुक्तेश्वराय सरस्वती से पूछा कि बागेश्वरधाम के महाराज हर किसी की पर्ची निकालते हैं, लेकिन इस घटना को लेकर कोई पर्ची क्यों नहीं निकाली। इस पर उन्होंने कहा कि बागेश्वरधाम के महाराज को भी इस प्रकार की पर्चियां कभी-कभी राष्ट्रहित में निकाल देना चाहिए।